CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 258 ता. 24 मार्च 2021, बुधवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बालिका गृह कांड में सजा काट रहे ब्रजेश ठाकुर की बेटी के खिलाफ फेमा के उल्लंघन की जांच में जुटा ईडी

मुजफ्फरपुर। बिहार के कुख्यात बालिका गृह कांड में ताउम्र कैद की सजा काट रहे ब्रजेश ठाकुर की बेटी निकिता आनंद की संपत्ति का सुराग ढूंढ़ने में फिर से प्रवर्तन निदेशालय (श्रष्ठ) जुट गया है। इसके लिए ईडी ने दोबारा नगर थानेदार को पत्र भेजा है। निकिता के खिलाफ यदि कोई आपराधिक मामला दर्ज है तो उसकी भी जानकारी देने के लिए कहा है। ईडी ने एसएसपी व सिटी एसपी को भी जानकारी जुटाने के लिए कहा है। ईडी के पटना क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक निदेशक प्रवीण कुमार झा ने पत्र में कहा है कि साहू रोड निवासी ब्रजेश ठाकुर की बेटी निकिता आनंद के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के संभावित उल्लंघन की जांच की जा रही है। थाने में निकिता आनंद खिलाफ दायर कोई एफआईआर अथवा चार्जशीट है तो उसकी सत्यापित कॉपी/रिपोर्ट ईडी निदेशालय को अविलंब भेजें। पत्र के बाद नगर थानेदार ओमप्रकाश ने जांच शुरू कर दी है। थाने का केस रिकॉर्ड फिर से देखा जा रहा है। बता दें कि फरवरी में भी ईडी ने पत्र भेजकर निकिता आनंद की संपत्ति व आपराधिक मामले का ब्योरा मांगा था। इस संबंध में नगर थाने से रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है। इसमें बताया गया था कि निकिता के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नगर थाने में नहीं है। ईडी ब्रजेश के अन्य परिजन और साहू रोड की कांति देवी का आधा दर्जन बार ब्योरा नगर थाने से मांग चुका है।

गुरुग्राम में संपत्ति जब्त, मुजफ्फरपुर में भी चस्पाया नोटिस -

बीते माह ब्रजेश के एक रिश्तेदार की गुरुग्राम स्थित संपत्ति को ईडी ने जब्त भी किया है। करीब डेढ़ साल पूर्व ब्रजेश ठाकुर, उसकी मां, पुत्र, पत्नी के अलावा तमाम पैतृक संपत्ति को अटैच कर चुका है। उसके सभी मकान व जमीन पर निदेशालय ने नोटिस भी चिपका दी है। साहू रोड में चार मंजिला मकान व होटल पर नोटिस चिपकाया है।

ग्वालियर में भीषण सड़क हादसा

ग्वालियर में बस-ऑटो की भिड़ंत में 13 लोगों की मौत; इनमें 12 महिलाएं, जो आंगनबाड़ी में खाना बनाकर लौट रही थीं

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में मंगलवार सुबह ऑटो और बस की आमने-सामने से हुई टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इनमें ऑटो ड्राइवर और इसमें बैठी 12 महिलाएं शामिल हैं। सभी महिलाएं रात को आंगनबाड़ी में स्कूली बच्चों के लिए खाना बनाकर लौट रही थीं। 9 महिलाओं और ऑटो ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। तीन महिलाओं को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें भी मृत घोषित कर दिया गया। ऑटो ग्वालियर से मुरैना रोड पर चमन पार्क की तरफ जा रहा था, जबकि बस मुरैना से ग्वालियर आ रही थी। हादसा आनंदपुर ट्रस्ट अस्पताल के सामने हुआ। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुरानी छावनी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। मृतकों में से 9 की पहचान हो गई है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में ग्वालियर RTO एपीएस चौहान को सस्पेंड कर दिया गया है।

9 महिलाओं और ऑटो ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। तीन महिलाओं को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें भी मृत घोषित कर दिया गया। ऑटो ग्वालियर से मुरैना रोड पर चमन पार्क की तरफ जा रहा था, जबकि बस मुरैना से ग्वालियर आ रही थी। हादसा आनंदपुर ट्रस्ट अस्पताल के सामने हुआ। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुरानी छावनी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। मृतकों में से 9 की पहचान हो गई है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

मौत ने सभी को दो की जगह एक ऑटो में किया-चश्मदीदों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाली सभी 12 महिलाएं दो ऑटो से लौट रही थीं। इनमें से एक ऑटो में सिर्फ 3 सवारी बैठाने की कैपेसिटी थी, लेकिन 6 बैठाई गई थीं। रास्ते में एक ऑटो खराब हो गया। तब इसमें बैठी 6 महिलाएं साथ चल रहे दूसरे ऑटो में बैठ गईं। इस तरह एक ही ऑटो में 12 सवारी हो गईं। उन्होंने तय किया था कि पुरानी छावनी से दूसरा ऑटो कर लेंगे, लेकिन शायद मौत ने ही उन्हें एक ऑटो में किया था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाखों रुपए मुआवजा देने की घोषणा की हैद्य

बस मुरैना से ग्वालियर आ रही थी। इसमें सवार कुछ लोगों को चोटें आई हैं।

मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए देगी सरकार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे पर दुख जताया है। सरकार ने मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद देने का ऐलान किया है।

कोरोना वैक्सीन पर नई घोषणा

कोवीशील्ड के दो डोज में होगा अब 6 से 8 हफ्ते का अंतर

पहले ये 4 से 6 हफ्ते का था

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोवीशील्ड वैक्सीन को लेकर अब नई गाइडलाइन जारी की है। इसके मुताबिक कोवीशील्ड वैक्सीन के दो डोज के बीच का समय पहले से दो हफ्ते ज्यादा रहेगा। अब तक कोवीशील्ड के दोनों डोज के बीच 4 से 6 हफ्ते, यानी 28 से 42 दिन का अंतर रखा जाता था। नए निर्देश के मुताबिक अब यह अंतर 6 से 8 हफ्ते यानी 42 से 56 दिन का होगा। नया नियम सिर्फ कोवीशील्ड वैक्सीन पर लागू होगा। देसी वैक्सीन यानी भारत बायोटेक के कोवैक्सिन पर नया नियम लागू नहीं होगा। कोवैक्सिन के दो डोज चार हफ्ते के अंतर से ही लगाए जाएंगे। इसे हमें कोवीशील्ड के टेस्टिंग फॉर्मूले से समझना चाहिए। पुराना फॉर्मूला 0/28/42 का है। यानी 0वां दिन वैक्सीन का, 28वां दिन वैक्सीन के दूसरे डोज का और 42वां दिन एंटीबॉडी टेस्ट का।

सावधान? बिहार में कोरोना वेव को देखते हुए सख्ती लागू

मास्क नहीं पहनने पर लगेगा जुर्माना

पटना। बिहार में कोरोना संक्रमण के प्रति लापरवाही बरतनेवाले सतर्क हो जाएं। मास्क नहीं पहनने पर उनसे 50 रुपए का जुर्माना वसूला जाएगा। मंगलवार से राजधानी पटना के चौक-चौराहों पर मास्क चेकिंग अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जिला परिवहन पदाधिकारी एवं मोटरयान निरीक्षक को वाहनों पर मास्क चेकिंग करने एवं जुर्माना वसूली का निर्देश दिया गया है।

इसके साथ ही दुकानों में सेनेटाइजर की भी चेकिंग होगी। जिन दुकानों पर लापरवाही दिखेगी, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। सैनेटाइजर और सोशल डिस्टेंसिंग नहीं पाए जाने पर दुकान सील की जा सकती है। डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने दुकानों में मास्क और सेनेटाइजर का प्रयोग सुनिश्चित कराने हेतु आठ टीमों का गठन किया है। उन्होंने बताया कि दुकानों की जांच के दौरान अगर दुकानदार और उपभोक्ता बिना मास्क या सेनेटाइजर के पाए गये तो संबंधित दुकान सील की जा सकती है। सार्वजनिक स्थलों पर भी मास्क के प्रयोग की सघन जांच की जाएगी।

कम्युनिकेशन पर इसरो की बड़ी कामयाबी

फ्री-स्पेस क्वांटम कम्यूनिकेशन का सफल परीक्षण; असंभव होगी हैकिंग

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 300 मीटर की दूरी तक फ्री स्पेस क्वांटम कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी का सफल परीक्षण किया है। देश में पहली बार ऐसा परीक्षण हुआ। कम्युनिकेशन की इस टेक्नोलॉजी में हैकिंग असंभव है। इस परीक्षण के जरिए इसरो ने एक तरह से प्रकाश कणों के जरिए संदेशों को बेहद सुरक्षित ढंग से भेजने में विशेषज्ञता प्राप्त कर ली है। इसरो ने बताया कि इस टेक्नोलॉजी में क्वांटम-की-एनक्रिप्टेड सिग्नल के जरिये वीडियो कांफ्रेंसिंग की गई। इस टेक्नोलॉजी की मदद से सेटेलाइट डाटा कम्युनिकेशन अति सुरक्षित हो सकेगा। पारंपरिक क्रिप्टोसिस्टम में गणित के एल्गोरिदम के आधार पर डाटा एनक्रिप्शन होता है, जबकि क्वांटम कम्युनिकेशन में फिजिक्स के नियमों के आधार पर डाटा सिक्योरिटी सुनिश्चित होती है। इसरो ने बताया कि क्वांटम क्रिप्टोग्राफी को 'फ्यूचर प्रूफ' भी कहा जाता है, क्योंकि भविष्य में कंप्यूटर के क्षेत्र में विकसित होने वाली कोई भी नई व्यवस्था क्वांटम क्रिप्टोसिस्टम को तोड़ने में सक्षम नहीं हो पाएगी।

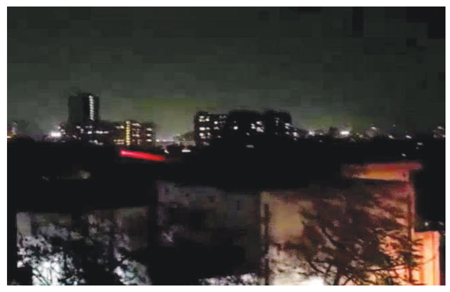

इसरो ने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। क्वांटम तकनीक की विशेषता यह है कि इसके जरिए भेजे गए संदेशों को कोई हैक नहीं कर सकता जिसे 'क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन' प्रौद्योगिकी भी कहा जाता है। इस बेहद महत्वपूर्ण तकनीक का प्रदर्शन अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर में किया गया। परीक्षण रात में किया गया जिससे कि सूर्य का प्रकाश सीधे इसे प्रभावित न कर सके।

ज्यादा शराब पीने से हुई मौत

सुप्रीम कोर्ट ने रिश्तेदार के बीमा के दावे को किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यक्ति की कानूनी उत्तराधिकारी के बीमा दावे को खारिज कर दिया, जिसकी मौत अत्याधिक शराब पीने से दम घुटने के कारण हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में बीमा कंपनी का दायित्व पूरी तरह या प्रत्यक्ष तौर पर किसी दुर्घटना से पहुंची चोट के मामले में मुआवजा देने का है। न्यायमूर्ति एम.एम. शांतानागौदर और न्यायमूर्ति विनीत सरन की पीठ ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के आदेश को बरकरार रखा, जिसने कहा था कि मृत्यु किसी दुर्घटना की वजह से नहीं

हुई और बीमा नीति के तहत ऐसे मामले में मुआवजा देने का कोई सांविधिक दायित्व नहीं है। पीठ ने कहा, 'मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर हमें राष्ट्रीय आयोग के 24 अप्रैल 2009 के आदेश में हस्तक्षेप का कोई कारण दिखाई नहीं देता।' शीर्ष अदालत ने यह आदेश हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम में तैनात एक चौकीदार की कानूनी उत्तराधिकारी नर्बदा देवी की याचिका पर दिया। शिमला जिले में इस चौकीदार की मौत साल 1997 में 07-08 अक्टूबर की मध्य रात्रि को हो गई थी और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसकी मौत का कारण अत्याधिक शराब पीने से दम घुटने को बताया गया था।

वाझे केस संसद में उठाने वाली नवनीत राणा का आरोप- शिवसेना एमपी ने दी जेल में डालने की धमकी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को चिट्ठी लिखकर आरोप लगाया कि शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने उन्हें संसद की लॉबी में जेल में डालने और देख लेने की धमकी दी। उधर, अरविंद सावंत ने आरोपों को झूठा करार देते हुए कहा है कि उन्होंने कोई धमकी नहीं दी है। लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में राणा ने दावा किया कि संसद में सचिन वाझे का मुद्दा उठाए जाने के बाद शिवसेना सांसद ने उनसे कहा, 'तू महाराष्ट्र में कैसे घूमती है, मैं देखता हूं और तेरे को भी जेल में डालेंगे। राणा ने कहा है कि सावंत ने यह धमकी उनको लोकसभा की लॉबी में दी है। राणा ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए सावंत के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बाद में अरविंद सावंत ने नवनीत राणा के आरोपों को झूठ बताया। उन्होंने कहा कि राणा ने सरासर झूठ बोला है। पहली बात यह राणा महिला हैं। वह मुझे आते-जाते भैया-दादा कहती हैं। एक महिला को धमकाने का काम शिवसैनिक नहीं करते हैं। उनके ईर्द-गिर्द अगर लोग होंगे तो वो बताएंगे कि हमने धमकाया है क्या? सावंत ने कहा कि उनके बातचीत का जो तरीका है वह अच्छा नहीं लगता है, आप वीडियो देख सकते है। वो उद्धव ठाकरे का हमेशा नाम लेती हैं। घृणा वाला बयान देती हैं। आज भी वही रहा जब वह बात कर रही थीं। गौरतलब है कि सोमवार को लोकसभा में भाजपा के सांसदों ने महाराष्ट्र के एक पुलिस अधिकारी द्वारा राज्य के गृहमंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोपों का मुद्दा उठाया और इस मामले में केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने की मांग की। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग की। इसी दौरान निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने सवाल उठाया कि जिस पुलिस अधिकारी को 16 वर्ष तक निलंबित रखा गया, उसे महाराष्ट्र में शिवसेना नीत महा विकास अघाड़ी सरकार आते ही बहाल क्यों कर दिया गया।

- **लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में राणा ने दावा किया कि संसद में सचिन वाझे का मुद्दा उठाए जाने के बाद शिवसेना सांसद ने उनसे कहा, 'तू महाराष्ट्र में कैसे घूमती है, मैं देखता हूं और तेरे को भी जेल में डालेंगे। राणा ने कहा है कि सावंत ने यह धमकी उनको लोकसभा की लॉबी में दी है।**

एंटीलिया केस में एक और नया मोड़

आखिर क्यों फर्जी आईडी के साथ फाइव स्टार होटल में रुके थे सचिन वाझे?

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर विस्फटकों से भरी कार मिलने के मामले में एनआईए की जांच जारी है। मामले में हर दिन नए-नए खुलासे चौंका रहे हैं। सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उस फाइव स्टार होटल में छानबीन की जहां निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाझे कुछ दिन पहले ठहरे थे। एनआईए के अधिकारियों ने कहा कि एक टीम ने नरीमन पॉइंट के ट्राइडेंट होटल के एक कमरे में तलाशी ली, जहां वाझे 16 फरवरी से 20 फरवरी तक ठहरे थे। वाझे ने कथित तौर पर एक जाली आधार कार्ड के साथ होटल का कमरा बुक किया था, जिसमें फ़र्ज़ी नाम से उनकी तस्वीर थी।

होटल में रहते हुए मुंबई क्राइम ब्रांच में थे वाझे-एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि होटल से दस्तावेज और सीसीटीवी फुटेज बरामद किए गए हैं। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने कहा कि वाझे के होटल में फर्जी आईडी से ठहरने की तारीखें उस समय के साथ मेल खाती हैं जब वाझे एक ऐसी टीम का हिस्सा थे, जिसने लाइसेंस शर्तों का उल्लंघन के लिए रात में मुंबई में कई जगहों पर छापा मारा था। वाझे ने उन तारीखों के दौरान मुंबई क्राइम ब्रांच की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट में भी काम किया। एनआईए की टीम ने होटल के कमरे से कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उनमें क्या है। टीम ने होटल से सीसीटीवी फुटेज को भी जांच के लिए जब्त कर लिया है। बता दें कि 13 मार्च को गिरफ्तार वाझे को 48 वर्षीय ठाणे के व्यापारी मनसुख हिरन की हत्या में भी मुख्य आरोपी बनाया गया है।

दर्ज हुआ हिरेन की पत्नी का बयान

एनआईए की टीम हिरेन की पत्नी विमला के घर उनका बयान लेने भी पहुंची थी। हिरेन के भाई विनोद ने कहा ÷एनआईए ने घर आकर हमें अपनी जांच की स्थिति बताई और सूचित किया कि वे एटीएस से सारी जानकारी लेंगे। अब तक वे मेरे भाई की हत्या के मामले में आधिकारिक रूप से मामला दर्ज नहीं हुआ है। उन्होंने हमें बताया कि वे मामले की अधिक जानकारी के साथ अगले दो दिनों में हमसे मिलने आएंगे। वे थोड़े समय के लिए रुके और चले गए।

हिरेन की हत्या में दो गिरफ्तार

गौरतलब है कि एटीएस ने रविवार को हिरेन की हत्या के संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया था। एक पूर्व कांस्टेबल विनायक शिंदे और एक सट्टेबाज नरेश गोर। एक एनकाउंटर हत्या में दोषी शिंदे को पिछले साल महामारी के कारण जेलों की सजा के दौरान पैरोल पर रिहा किया गया था। महाराष्ट्र एटीएस के डीआईजी शिवदीप लांडे ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस के अधिकारी सचिन वाझे ने अपराध में मुख्य भूमिका निभाई थी। वह मुख्य आरोपी के तौर पर सामने आया है। सट्टेबाज ने वाझे को पांच सिम कार्ड मुहैया कराए थे। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को रविवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 30 मार्च तक एटीएस की हिरासत में रहने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि शनिवार देर रात गिरफ्तार दोनों आरोपियों की पहचान पुलिसकर्मी विनायक शिंदे और सट्टेबाज नरेश गौर के रूप में हुई है। अधिकारी ने दिन में सट्टेबाज का नाम नरेश धरे बताया था, लेकिन बाद में उसका नाम नरेश गौर बताया गया। उन्होंने बताया कि शिंदे 2006 के लाखन भैया फर्जी मुठभेड़ मामले का दोषी है। उसे आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। वह पिछले साल ही फरलो पर जेल से रिहा हुआ था। उसके बाद से ही शिंदे वाझे के संपर्क में था।

किसान आंदोलन से एनएचएआई को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में 814 करोड़ के राजस्व की क्षति

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के नए तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध किसानों के आंदोलन के चलते पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 16 मार्च तक कुल 814.4 करोड़ रुपये के राजस्व का बड़ा नुकसान हुआ है। यह जानकारी सड़क, परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में दी। उन्होंने कहा कि सरकार को हो रहे भारी नुकसान को देखते हुए उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह को बहाल करने के लिए जिला और राज्य प्रशासन के साथ इस मामले को लगातार उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'किसान आंदोलन के कारण राजस्व की हानि मुख्यतः पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ प्लाजा पर हुई है।' उन्होंने बताया कि सबसे अधिक 487 करोड़ रुपये का पंजाब में हुआ है जबकि हरियाणा में 326 करोड़ रुपये और राजस्थान में 1.40 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, 'अन्य राज्यों में किसानों के आंदोलन के कारण राजस्व का कोई नुकसान नहीं हुआ है।' उन्होंने कहा कि सरकार को हो रहे भारी नुकसान के मद्देनजर इस मामले को राज्यों व जिला प्रशासन के के साथ लगातार उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'पंजाब में फीस प्लाजा के सुचारू संचालन के लिए तत्काल हस्तक्षेप के लिए पंजाब सरकार से अनुरोध किया गया है।' उन्होंने कहा कि एनएचएआई ने राजस्थान के मुख्य सचिव व संबंधित अधिकारियों को उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह फिर से शुरू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है।

उत्तराखंड में बाढ़ आपदा से चार धाम के लिए राजमार्ग निर्माण से कोई संबंध नहीं : सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्ट करते हुए बताया कि चार धाम परियोजनाओं के अंतर्गत सड़कों का निर्माण और उनको चौड़ा किए जाने का उत्तराखंड में बाढ़ आपदा से कोई लेना देना नहीं है। उत्तराखंड में चार पवित्र स्थलों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ को सभी मौसम के अनुकूल सड़क से जोड़ने के लिए सामरिक रूप से महत्वपूर्ण 900 किलोमीटर लंबी चार धाम राजमार्ग परियोजना बनाई जा रही है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया, 'उत्तराखंड सरकार, भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण तथा रक्षा भू-सूचनात्मक अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई) की रिपोर्ट के अनुसार चार धाम परियोजना के लिए सड़कों का निर्माण और उन्हें चौड़ा करने के काम का उत्तराखंड बाढ़ आपदा से कोई संबंध नहीं है।' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों के अनुसार यह पूरी तरह से प्राकृतिक घटना है और इसके कारणों में मानव का कोई योगदान नहीं है। चार धाम परियोजना 12 हजार करोड़ रुपए की लागत से कार्यान्वित की जा रही है। उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में सात फरवरी को एक हिमनद टूटने से धौली गंगा नदी में भीषण बाढ़ आई थी जिसमें कम से कम 70 लोगों की जान चली गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने रिश्तेदार के बीमा के दावे को किया खारिज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यक्ति की कानूनी उत्तराधिकारी के बीमा दावे को खारिज कर दिया, जिसकी मौत अत्याधिक शराब पीने से दम घुटने के कारण हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में बीमा कंपनी का दायित्व पूरी तरह या प्रत्यक्ष तौर पर किसी दुर्घटना से पहुंची चोट के मामले में मुआवजा देने का है। न्यायमूर्ति एम.एम. शांतानागौदर और न्यायमूर्ति विनीत सरन की पीठ ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के आदेश को बरकरार रखा, जिसने कहा था कि मृत्यु किसी दुर्घटना की वजह से नहीं हुई और बीमा नीति के तहत ऐसे मामले में मुआवजा देने का कोई सांविधिक दायित्व नहीं है। पीठ ने कहा, 'मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर हमें राष्ट्रीय आयोग के 24 अप्रैल 2009 के आदेश में हस्तक्षेप का कोई कारण दिखाई नहीं देता।' शीर्ष अदालत ने यह आदेश हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम में तैनात एक चौकीदार की कानूनी उत्तराधिकारी नर्बदा देवी की याचिका पर दिया। शिमला जिले में इस चौकीदार की मौत साल 1997 में 07-08 अक्टूबर की मध्य रात्रि को हो गई थी और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसकी मौत का कारण अत्याधिक शराब पीने से दम घुटने को बताया गया था।

भारतीय छात्रों को चीन जाने की अनुमति नहीं

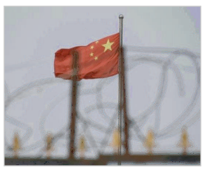

नई दिल्ली। चीन विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों को अभी चीन जाकर पढ़ाई शुरू करने की अनुमति नहीं मिली है। चीन ने सोमवार को नई दिल्ली को बताया कि कोविड-19 के मद्देनजर और सख्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के भारतीय छात्रों को बीजिंग आने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। बीजिंग ने सुझाव दिया है कि भारतीय छात्र चीन में अपने विश्वविद्यालयों के साथ संपर्क में रहें और उनके निर्देशों का पालन करें। इसके साथ ही यह भी कहा कि वे अपने ऑनलाइन अध्ययनों को जारी रखें। बीजिंग ने सोमवार को एक बयान जारी कर भारतीय दूतावास से कहा कि चीन ने विदेशी छात्रों को देश में प्रवेश करने की अनुमति देने पर रोक लगा रखी है। भारतीय दूतावास ने यहां सोमवार को कहा कि वह उन हजारों भारतीय छात्रों की चिंताओं को लेकर चीनी अधिकारियों के साथ संपर्क में है, जो बीजिंग द्वारा लगाए गए कोविड-19 प्रतिबंधों की वजह से अपने वतन में फंस गए हैं और चीन में स्थित विश्वविद्यालयों में वापस नहीं आ पा रहे हैं। चीन में 4.40 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र हैं। इनमें 23,000 से अधिक भारतीय विद्यार्थी भी शामिल हैं, जिनमें से अधिकतर भारी शुल्क देकर चीन के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं। कोविड-19 पाबंदियों का हवाला देकर चीन छात्रों को सलाह दे रहा है कि वे अपने देश से ही ऑनलाइन कक्षा लेना जारी रखें। बहरहाल, छात्रों का कहना है कि उनमें से अधिकतर विज्ञान के विषयों की पढ़ाई कर रहे हैं। लिहाज़ा उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए प्रयोगशाला की जरूरत है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि उनकी छात्रवृत्ति को निलंबित कर दिया गया है। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि दूतावास चीन के शिक्षा मंत्रालय समेत चीनी अधिकारियों के साथ भारतीय छात्रों की चिंताओं को लेकर करीब से संपर्क में है, खासकर इस देश के कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में उनकी जल्दी वापसी के विषय पर।

कोरोना पर हाई लेवल मीटिंग में सीएम योगी ने लिए कई फैसलें

नई दिल्ली।

कई राज्यों में कोरोनों के बढ़ते केस को देखते हुए यूपी में भी अधिकारियों को अलर्ट कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देर शाम एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। जिसमें निर्णय लिया गया कि कक्षा एक से आठ तक के सभी परिषदीय और निजी विद्यालयों में 24 से 31 मार्च तक होली का अवकाश रखा जाए। बाकी शिक्षण संस्थानों में जहां परीक्षाएं आयोजित नहीं हो रही हैं वहां 25 से 31 मार्च तक छुट्टी रहेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव व उपचार की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करते हुए संक्रमण की स्थिति को रोकने के सभी उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

- ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर और शहरों में वार्ड स्तर पर नोडल अधिकारी या कर्मचारी की तैनात होंगे।
- ये नोडल अधिकारी उनके क्षेत्र में अन्य राज्यों से आने वाले व्यक्तियों की जांच होना सुनिश्चित करेंगे। संदिग्ध रोगी पाए जाने पर उन्हें क्वारंटीन करने की व्यवस्था और आरटीपीसीआर जांच कराते हुए कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यवाही की जाए।
- प्रत्येक जनपद में एक-एक डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल की उपलब्धता सुनिश्चित रहे। आवश्यक मानव संसाधन और उपकरणों की व्यवस्था भी की जाए।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व और त्योहारों पर कोई रोक नहीं है लेकिन कोविड संक्रमण को देखते हुए लोगों को जागरूक किया जाए। बिना स्थानीय प्रशासन की पूर्वानुमति के कोई भी जुलूस तथा कार्यक्रम या सार्वजनिक समारोह आयोजित न किए जाएं।
- इन आयोजनों में हाई रिस्क कैटेगरी जैसे 10 वर्ष की उम्र से कम के बच्चों, 60 वर्ष से अधिक के वृद्धजन और एक से अधिक गम्भीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों आदि को शामिल होने से बचाया जाए। इन आयोजनों में सुनिश्चित किया जाए कि कोविड प्रोटोकॉल, मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग आदि का पूर्णतः पालन हो।
- जिन शिक्षण संस्थानों में परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, उन्हें पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन करते हुए सम्पन्न कराया जाए।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य पूरी प्रतिबद्धता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि वैक्सीन को खराब होने से हर हाल में रोका जाए।
- इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर में प्रतिदिन कोविड-19 सम्बन्धी समीक्षाएं अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित की जाएं।
- ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आदि में बाहरी आवागमन पर नियंत्रण हो।
- जेलों में कोविड के दृष्टिगत पर्याप्त सुरक्षा प्रबन्ध रहें। पेशी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का माध्यम अपनाया जाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का भरपूर उपयोग करते हुए लोगों को जागरूक किया जाए। जागरूकता के लिए प्रचार-प्रसार सम्बन्धी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

केंद्रीय एजेंसियां धमका रहीं हैं, पर मेरे घर में उन्हें कुछ नहीं मिलेगा - कमल हासन

चेन्नई।

अभिनेता से नेता बने मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) के अध्यक्ष कमल हासन ने कहा केंद्रीय एजेंसियां उन्हें धमकी दे रही हैं, लेकिन वे छापेमारी से नहीं डरते। तमिलनाडु के कोयंबटूर में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां छापे मारें भी तो उन्हें उनके घर से कुछ भी नहीं मिलेगा। इस सीट पर भाजपा, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और एमएनएम के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। कमल हासन ने कहा भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग कर अपने राजनीतिक विरोधियों को डराने की कोशिश कर रही है, लेकिन वह नहीं डरेंगे। कमल हासन के साथ रिलेशनशिप में रह चुकीं और कुछ समय पहले भाजपा में शामिल हुई दक्षिण भारतीय अभिनेत्री गौतमी ने कहा कि कोयंबटूर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से उनके जीतने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि भाजपा नेता वनाथी श्रीनिवासन राजनीतिक रूप से अधिक परिपक्व हैं और विधानसभा क्षेत्र के लोग कमल हासन की तुलना में उन्हें ज्यादा पसंद करते हैं। गौतमी इन दिनों कोयम्बटूर में कमल हासन के खिलाफ मोर्चा खोले हुई हैं। उन्होंने शिकायत की थी कि उनके कैंसर पीड़ित होने के बाद एमएनएम अध्यक्ष ने उनका साथ नहीं दिया और बाद में उनसे अलग हो गए। सुपरस्टार ने यह बयान एमएनएम के कोषाध्यक्ष चंद्रशेखरन के घर और दफ्तर में पिछले सोमवार को आयकर विभाग और अन्य केंद्रीय एजेंसियों द्वारा छापे मारे जाने के बाद दिया है। चंद्रशेखरन के पास 11.25 करोड़ रुपए नकद और लगभग 80 करोड़ रुपए की बेहिसाब आय का खुलासा हुआ है। चंद्रशेखरन यार्न ट्रेडिंग बिजनेस समेत कई बिजनेस करते हैं। इसे लेकर एमएनएम ने आरोप लगाया था कि ये छापे धारापुरम (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की टिकट पर मैदान में उतरे एल मुरुगन की मदद के लिए मारे गए थे।

मुंबई हमले में शामिल आतंकी तहव्वुर राणा को भारत भेजेंगे

मुंबई।

अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने फेडरल कोर्ट से पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के लिए भारत के अनुरोध को सर्टिफाई करने का आग्रह किया है। राणा 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में आरोपी है। असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी जॉन जे लुलजियान ने लॉस एंजिल्स में एक फेडरल अमेरिकी कोर्ट के आगे 59 वर्षीय राणा के मुंबई आतंकवादी हमले में मुकदमे के लिए भारत को प्रत्यर्पित किए जाने के सभी मानदंडों को पूरा किया। बता दें कि 4 फरवरी को राणा के वकील ने उनके प्रत्यर्पण का विरोध किया था। लॉस एंजिल्स में अमेरिकी जिला अदालत की न्यायाधीश जैकलीन चुलजियान ने प्रत्यर्पण सुनवाई का समय 22 अप्रैल निर्धारित किया है। लुलेजियन ने अपने 61-पन्नों के कोर्ट सब्मिशन में कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका सम्मानजनक रूप से अनुरोध करता है कि 22 अप्रैल, 2021 को प्रत्यर्पण सुनवाई में कोर्ट राणा के प्रत्यर्पण के फैसले के लिए भारत के अनुरोध को प्रमाणित करे। डेविड कोलमैन हेडली के बचपन का दोस्त राणा को 10 जून को भारत द्वारा मुंबई आतंकवादी हमले में शामिल होने के प्रत्यर्पण अनुरोध पर लॉस एंजिल्स में फिर से गिरफ्तार किया गया था। इस हमले में छह अमेरिकियों सहित 166 लोग मारे गए थे।

उसे भारत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया है। बता दें कि लॉस एंजिलिस में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की न्यायाधीश जैकलीन चूलजियान ने 21 जुलाई 2020 को अपने 24 पृष्ठों के आदेश में राणा को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि उसके फरार होने का खतरा है। अमेरिका सरकार ने यह दलील देते हुए उसे जमानत पर रिहा करने का विरोध किया कि अगर वह कनाडा भाग जाता है तो उसके भारत में मौत की सजा से बचने की आशंका है। अमेरिका के सहायक अटॉर्नी जॉन जे लुलेजियान ने अदालत में कहा कि किसी भी मुचलके पर जमानत देने से अदालत में राणा की मौजूदगी सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी।

उसे जमानत देने से अमेरिका को अपने विदेश मामलों में शर्मिंदा होना पड़ सकता है और उसके भारत के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं। वहीं, राणा के वकील ने कहा कि 26/11 के आरोपी के फरार होने का खतरा नहीं है और उन्होंने उसे जमानत पर रिहा करने के लिए 15 लाख डॉलर का मुचलका भरने का प्रस्ताव रखा।

कोरोना: संक्रमण के बढ़ते मामलों पर विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

नई दिल्ली । कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में इस साल देश में सबसे बड़ी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। इस बारे में स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि कोरोना संक्रमण के मामले में देश भर में महाराष्ट्र नंबर वन पर है औ दूसरे नंबर पर पंजाब राज्य है। कोरोना के नए मामलों का 83.14 फीसद महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश से जुड़ा है। महाराष्ट्र (27,126) में सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं और इसके बाद पंजाब का नंबर है, जहां 2,578 मामले सामने आए हैं। इसके बाद केरल 2,078 केस मिले हैं। कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश में क्रमशः 1,798, 1,565 और 1,308 मामले दर्ज किए हैं। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 43,846 मामले दर्ज किए गए हैं, जो इस साल का सबसे बड़ा आंकड़ा है। देश में अब तक 1 करोड़, 15 लाख 99 हजार 130 से ज्यादा लोग संक्रमण के शिकार हुए हैं। पिछले 24 घंटों में 197 लोगों की वायरस संक्रमण के चलते मौत हुई है। मंत्रालय ने कहा कि संक्रमण के चलते मौत के शिकार लोगों में 86.8 फीसद लोग 6 राज्यों के हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 92 लोगों की कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटे में मौत हुई है। इसके बाद पंजाब में 38 लोग संक्रमण के शिकार हुए हैं। केरल में 15 लोग वायरस संक्रमण के चलते मौत के शिकार हुए हैं। दिल्ली में शनिवार को पहली बार 800 से ज्यादा कोरोना के मामले सामने आए हैं, राजधानी में 2 लोगों की कोरोना वायरस के चलते मौत हुई है। दिल्ली में एक्टिव मामलों की संख्या 3,409 हो गई है, जोकि एक दिन पहले 3,165 थी। दूसरी ओर दिल्ली में संक्रमण की दर पिछले दो महीनों में 1 फीसद को पार कर गई है। मंत्रालय के मुताबिक महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पंजाब, मध्य प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात और हरियाणा में संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में कोरोना वायरस के एक्टिव मामलों की बात करें तो ये 3.09 लाख है, जोकि संक्रमण के कुल मामलों का 2.66 फीसद है। पिछले 24 घंटों में देश में कोरोना के एक्टिव मामलों में 20,693 मामलों का इजाफा हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना वायरस संक्रमण बढ़ने की असल वजह ये है कि लोगों को लगता है कि महामारी खत्म हो गई है और वे कोरोना वायरस गाइडलाइंस का पालन नहीं कर रहे हैं। एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा कि संक्रमण बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन मुख्य कारण लोगों का व्यवहार है, क्योंकि उन्हें लगता है कि कोरोना वायरस खत्म हो गया। लोगों को गैर जरूरी यात्राओं को अभी कुछ दिन के लिए टाल देना चाहिए। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉक्टर वीके पॉल ने कहा कि संक्रमण से बचने के लिए ये बहुत महत्वपूर्ण है कि कोरोना गाइडलाइंस का पालन किया जाए। कंटेनमेंट स्ट्रैटजी को स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर के हिसाब से तैयार किया जाए और टीकाकरण को महामारी के खिलाफ हथियार के रूप में लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों वायरस संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, वहां टीकाकरण को प्राथमिकता देते हुए तेजी से अभियान चलाना चाहिए। आधिकारिक बयान के मुताबिक कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के प्रतिदिन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बढ़ते एक्टिव केस की संख्या को देखते हुए केंद्र सरकार ने प्रभावित जिलों को टेस्टिंग बढ़ाने को कहा है और 70 फीसदी से ज्यादा आरटी-पीसीआर टेस्ट करने को कहा है, खासतौर पर उन जिलों में जो वायरस टेस्टिंग के लिए एंटीजन टेस्ट पर निर्भर हैं, साथ ही सरकार की टेस्टिंग और ट्रेसिंग गाइडलाइन को फॉलो करते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के बयान के मुताबिक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इंसाकोग कंसोर्टियम के तहत 10 राष्ट्रीय लैब से जोड़ा गया है।

एंटीलिया मामले में जांच को भटकाना चाहती है बीजेपी

नई दिल्ली।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को अपनी पार्टी के सहयोगी और महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख का बचाव करते हुए दावा किया कि जिस समय देशमुख मुंबई के पूर्व पुलिस अधिकारी परम बीर सिंह के बताए पत्र के अनुसार फरवरी में पुलिस अधिकारी सचिन वाझे से मिले थे तब तो वे कोविड -19 के इलाज के लिए नागपुर के एक अस्पताल में थे। दरअसल, मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर कहा है कि गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सचिन वाझे को हर महीने 100 करोड़ रुपए की उगाही करने के लिए कहा था। इसको लेकर यह लगातार दूसरा दिन है जब पवार देशमुख के बचाव के लिए आगे आए हैं। पवार के इस बयान के बाद से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने तुरंत प्रतिक्रिया दी कि देशमुख ने उस समय एक संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया था। बीजेपी का आरोप है कि देशमुख ने 15 फरवरी और 8 फरवरी को कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की थी और इन बैठकों के वीडियो और फोटोग्राफिक सबूत देशमुख ने खुद ट्विटर पर पोस्ट किए। कुछ पत्रकारों ने एनसीपी प्रमुख की मीडिया ब्रीफिंग में भी ये सवाल उठाया था। इसपर पवार ने जवाब दिया कि देशमुख कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल से वर्चुअली मिले थे। उन्होंने अपने डिस्चार्ज के बाद और होम संगरोध में जाने से पहले होम क्वारंटाइन में जाने से पहले संबोधित किया था। लेकिन बीजेपी ने यह भी बताया कि पुलिस अधिकारी के पत्र में फरवरी अंत तक बैठक के समय का उल्लेख है। पवार ने कहा कि ताजा सबूतों के मद्देनजर. अनिल देशमुख का इस्तीफा लेना उचित नहीं होगा गृह मंत्री के इस्तीफे की भाजपा की मांग में कोई दम नहीं है मेरा रुख इसपर साफ है कि देशमुख के खिलाफ लगाए गए आरोप गलत हैं क्योंकि वह नागपुर में थे।÷ उन्होंने यह भी दावा किया कि देशमुख के खिलाफ आरोपों का उद्देश्य एंटीलिया बम के मामले में जांच को रोकना है।मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके अपने ट्रांसफर को चुनौती दी तो गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग की।

तिहाड़ से बेल पर छूटे 2000 से अधिक कैदी अब तक नहीं लौटे, जेल प्रशासन ने दिल्ली पुलिस को सौंपी जांच

नई दिल्ली।

कोरोना से बचाने के लिए जमानत-परोल पर छोड़े गए कैदियों में से दो हजार से अधिक कैदी अब तक जेल वापस नहीं लौटे हैं। वे भाग गए हैं या किसी हादसे के शिकार हुए हैं, यह जानने के लिए तिहाड़ जेल प्रशासन ने इन कैदियों की जानकारी दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर को भेजी है। कानूनी कार्रवाई पूरी होने के बाद दिल्ली पुलिस इन कैदियों को खोजने का काम करेगी। माना जा रहा है कि आने वाले समय में दिल्ली पुलिस के लिए भगौड़े कैदियों को ढूंढने का काम भी बड़ा होने जा रहा है। तिहाड़ जेल सूत्रों ने बताया कि पिछले साल कोरोना शुरू होने के बाद संबंधित कोर्ट से जेल में बंद 18 हजार से अधिक कैदियों में से करीब सात हजार कैदियों को इमरजेंसी परोल और जमानत पर छोड़ा गया था, ताकि जेल में अगर कोरोना फैल जाए तो हालात गंभीर नहीं होने पाए और कैदियों को कोरोना वायरस की चपेट में आने से पहले समय रहते बचाया जा सके। अब जबकि संबंधित अदालतों की ओर से इन तमाम कैदियों की इमरजेंसी परोल-बेल आगे न बढ़ाने का फैसला लेते हुए इन्हें अपनी-अपनी डेट के हिसाब से जेल में सरेंडर करने के लिए कहा गया है तो बहुत सारे कैदी ऐसे हैं, जो जेल में वापस नहीं आ रहे हैं। जेल सूत्रों के अनुसार सजायाफ्ता 1184 कैदियों में से अभी तक 112 कैदी ऐसे हैं, जो जेल में वापस लौटकर नहीं आए। इनके अलावा साढ़े पांच हजार से अधिक विचाराधीन कैदियों में से अभी तक तकरीबन 3 हजार कैदियों को जेल में सरेंडर कर देना चाहिए था, लेकिन अधिकतर ने सरेंडर नहीं किया है। ऐसे लोगों का कुछ समय इंतजार के बाद उनके संबंधित कोर्ट से भगौड़ा घोषित कराने की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। कुछ कैदी ऐसे भी हो सकते हैं, जो अपनी जमानत अर्जी अदालतों में लगा रहे हों या फिर उनके पास जेल में सरेंडर करने का संदेश ही नहीं पहुंचा हो।

जेल प्रशासन का कहना है कि अगर किसी कैदी के पास सरेंडर करने का मैसेज नहीं पहुंचा है, तो उसे यह बखूबी पता है कि उसकी जमानत का समय खत्म हो चुका है। ऐसे में जेल में वापस न आने वाले तमाम कैदियों को इस बारे में जेल को सूचित तो करना ही चाहिए, जोकि उन्होंने नहीं किया है।

गोवा जाने का बना रहे हैं प्लान तो करवा लें कोरोना जांच

नई दिल्ली । अगर आप गोवा जाने का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। गोवा सरकार ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच यह फैसला लेने की तैयारी कर रही है कि दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों को अपने साथ कोरोना नेगेटिव रिपोर्ट भी लानी होगी। तभी उन्हें एंट्री मिलेगी। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने कहा है कि मुख्यमंत्री प्रमोद सावंद के पास फिलहाल यह मामला विचाराधीन है। उनकी इजाजत मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने रविवार को इसके लेकर अहम फैसला लिया है। सरकार ने दूसरे राज्यों से आने वालों के लिए कोरोना टेस्ट रिपोर्ट लाना जरूरी कर दिया है। इसके अलावा, आठ शहरों में नाइट कर्फ्यू का ऐलान भी किया गया है। प्राइमेरी स्कूलों भी आगे बंद रहेंगे। राजस्थान सरकार ने ऑर्डर जारी करते हुए कहा, शहर के सभी नगर निगमों के क्षेत्रों में 22 मार्च से रात 10 बजे के बाद बाजार बंद रहेंगे। रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक अजमेर, भीलवाड़ा, जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, सागवाड़ा और कुशलगढ़ में कर्फ्यू लगाया जाएगा। इसके अलावा, 25 मार्च से राज्य में प्रवेश करने वाले लोगों कोरोना की निगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट लाना जरूरी होगा। यह रिपोर्ट 72 घंटे से पुरानी नहीं होनी चाहिए।

सार समाचार

चीन और रूस के विदेश मंत्रियों ने अमेरिका और श्व के खिलाफ किया प्रदर्शन

बीजिंग। मानवाधिकार के मुद्दों पर पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों और आलोचना के बीच चीन और रूस के विदेश मंत्रियों ने मंगलवार को हुई बैठक में एकता प्रदर्शित की। वांग यी और सर्जेई लावरोव ने अपनी राजनीतिक व्यवस्था में बाहरी हस्तक्षेप को खारिज करते हुए कहा कि वे जलवायु परिवर्तन से लेकर कोरोना वायरस महामारी तक के मुद्दों पर वैश्विक स्तर पर प्रगति के लिए काम कर रहे हैं। दक्षिणी चीन में स्थित नान्निंग शहर में सोमवार को हुई पहली बैठक में वांग और लावरोव ने अमेरिका पर अन्य देशों के अंदरूनी मामलों में दखलअंदाजी करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका से ईरान परमाणु समझौते में फिर से शामिल होने का आग्रह किया। गौरतलब है कि रूस और चीन के तेहरान से नजदीकी संबंध हैं। वांग ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका द्वारा चीनी अधिकारियों पर लगाए गए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की। चीन के शिनजियांग प्रांत में कथित तौर पर मानवाधिकार के हनन के फलस्वरूप इन देशों ने प्रतिबंध लगाए थे जिसकी वांग के आलोचना की। उन्होंने कहा, 'एकपक्षीय प्रतिबंधों के खिलाफ सभी देशों साथ खड़ा होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'यह कदम अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्वीकार्य नहीं हैं।'

कोरोना से निपटने का पाकिस्तान कर रहा पूरी कोशिश, टीके के लिए चीन से की बातचीत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने कोविड-19 टीके की आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए मंगलवार को चीन से संपर्क साधा। कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर को रोकने के लिए पाकिस्तान जद्दोजहद कर रहा है। दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये हैं। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से टेलीफोन पर वार्ता कर इस बात का जिक्र किया कि पाकिस्तान ने महामारी से निपटने के लिए देशभर में टीकारकण के लिए एक व्यापक योजना बनाई है। विदेश कार्यालय ने यह जानकारी दी। कार्यालय ने बताया, ''कुरैशी ने अपने चीनी समकक्ष से मार्च-अप्रैल 2021 के दौरान चीन से पाकिस्तान को कोविड-19 टीके की आपूर्ति पर चर्चा की।'' विदेश कार्यालय के मुताबिक चीन के विदेश मंत्री वांग ने भरोसा दिलाया कि उनका देश महामारी से निपटने में पाकिस्तान की दृढ़ता से मदद करेगा। कुरैशी ने चीनी टीके की 15 लाख खुराक पाकिस्तान को मुफ्त में देने को लेकर चीन का आभार जताया। चीन ने बुधवार को सीनोफार्म टीके की पांच लाख और खुराक पाकिस्तान को मदद के तौर पर उपलब्ध कराई।

उइगरों के मानवाधिकार उल्लघंन को लेकर ब्रिटेन ने चीन के चार अधिकारियों पर लगाये प्रतिबंध

लंदन। यूरोपीय संघ, कनाडा और अमेरिका की तरह ब्रिटेन सरकार ने चीन केशिनजियांग प्रांत में उइगर और अन्य अल्पसंख्यकों के मानवाधिकार उल्लंघन के मामले में सोमवार को चीन सरकार के अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब ने घोषणा की कि ''घोर मानवाधिकार उल्लंघनों के दोषियों'' के खिलाफ प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ समन्वय के तहत उठाया गया कदम है। ब्रिटेन पहली बार चीन के चार सरकारी अधिकारियों और शिनजियांग के एक सुरक्षा निकाय पर यात्रा एवं वित्तीय प्रतिबंध लगाएगा। राब ने कहा, ''हम अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ समन्वय करते हुए मानवाधिकार उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं।

जर्मनी में कोरोना वायरस का कहर जारी, 18 अप्रैल तक बढ़ाया गया लॉकडाउन

बर्लिन। जर्मनी में कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए अप्रैल मध्य तक के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही कई नए प्रतिबंध लगाए गए हैं तथा ईस्टर पर सार्वजनिक आयोजनों पर रोक लगा दी गई है। देश के 16 राज्यों के गवर्नरों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये मंगलवार चली लंबी बातचीत के बाद चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा कि पूर्व में 28 मार्च तक लगाए गए प्रतिबंध 18 अप्रैल तक जारी रहेंगे। कोरोना वायरस के ब्रिटेन में पाए गए प्रकार के फैलने के बाद जर्मनी में संक्रमण के मामले बढ़ गए हैं और प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों की संख्या अमेरिका से भी ज्यादा हो गई है। मर्केल ने बर्लिन में कहा, 'हम महामारी के नए प्रकार से जूझ रहे हैं।' उन्होंने कहा कि हम नए वायरस से मुकाबला कर रहे हैं जो पहले जैसा है लेकिन इसका स्वभाव अलग है। यह अधिक घातक और संक्रामक है तथा लंबे समय तक संक्रामक रह सकता है।

अमेरिका के कोलोराडो स्थित सुपरमार्केट में गोलीबारी, 10 लोगों की हुई मौत

बोल्डर। अमेरिका के कोलोराडो के बोल्डर स्थित एक सुपरमार्केट में गोलीबारी की एक घटना में एक पुलिसकर्मी समेत 10 लोग मारे गए और इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। बोल्डर के पुलिस प्रमुख मारिस हेरोल्ड ने सोमवार रात एक संवाददाता सम्मेलन में मृतकों की संख्या के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध का इलाज चल रहा है। जनता को अब कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों द्वारा एक व्यक्ति को स्टोर से बाहर ले जाते हुए देखा गया था, जिसे हथकड़ी लगाई गई थी और उसके पैर से खून बह रहा था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया था कि उक्त व्यक्ति संदिग्ध था या नहीं।

क्या भारत लौटेगा 26/11 का आतंकी तहव्वुर राणा, बाइडेन प्रशासन ने कोर्ट से की यह अपील

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने संघीय अदालत से पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पित करने के भारत के अनुरोध पर गौर करने की अपील की है। राणा पर मुम्बई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों में संलिप्त होने का आरोप है। लॉस एंजिलिस में अमेरिकी संघीय अदालत में प्रतिवेदन दाखिल करते हुए सहायक अमेरिकी अटॉर्नी जॉन जे लुलजियन ने कहा कि मुम्बई आतंकवादी हमले के मामले में राणा (59)को भारत प्रत्यर्पित करने के सभी मानदंड पूरे होते हैं। राणा ने स्वयं को भारत प्रत्यर्पित किए जाने का चार फरवरी को विरोध करते हुए दलील दी थी कि जिन अपराधों के लिए उसके प्रत्यर्पण की अपील की गई है, उनमें उसे पहले ही बरी किया जा चुका है। लॉस एंजिलिस में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की न्यायाधीश जैकलीन शूलजियन ने मामले की सुनवाई के लिए 22 अप्रैल की तारीख तय की है। लुलजियन ने सोमवार को अदालत में दाखिल किए 61 पृष्ठ के प्रतिवेदन में कहा, ''अमेरिका सम्मानपूर्वक अनुरोध करता है कि प्रत्सर्पण के मामले पर 22 अप्रैल 2021 की सुनवाई के बाद, अदालत भारत के राणा को प्रत्यर्पित करने के अनुरोध पर गौर करे....'' लुलजियन ने कहा, '' भगौड़ा तहव्वुर राणा मुम्बई आतंकवादी हमले के मामले में संलिप्तता के अपराध में सुनवाई के लिए वांछित है, जिसमें 166 लोग मारे गए थे, 239 लोग घायल हुए थे और करीब 1.50 अरब डॉलर की सम्पत्ति का नुकसान हुआ था।'' भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के अनुसार, भारत सरकार ने राणा को प्रत्यर्पित करने के लिए औपचारिक अनुरोध किया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस प्रत्यर्पण कार्यवाही को शुरू किया है। डेविड कोलमेन हेडली के बचपन के दोस्त राणा (59) को 2008 के मुम्बई आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के लिये भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध पर 10 जून को लॉस एंजिलिस से दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया था। हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों समेत कुल 166 लोगों की मौत हो गई थी। भारत ने उसे भगौड़ा घोषित कर रखा है। मुम्बई आतंकवादी हमलों की साजिश रचने में लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी कोलमैन हेडली शामिल था। उसे इस मामले में सरकारी गवाह बनाया गया था और वह हमले में अपनी भूमिका के लिये फिलहाल अमेरिका की जेल में 35 साल के कारावास की सजा काट रहा है। राणा के वकीलों ने पिछले सप्ताह लास एंजिलिस की जिला अदालत में न्यायाधीश जैकलीन केलोनियन के समक्ष प्रत्यर्पण का विरोध करते हुए याचिका दायर की थी। राणा के वकीलों ने दलील दी कि अमेरिका-भारत प्रत्यर्पण संधि के अनुच्छेद छह के तहत राणा को भारत प्रत्यर्पित नहीं किया जा सकता क्योंकि जिन अपराधों के लिये उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया है, उसमें उसे पहले ही बरी किया जा चुका है। साथ ही संधि के अनुच्छेद 9 के तहत भी उसे प्रत्यर्पित नहीं किया जा सकता क्योंकि सरकार ने कथित अपराधों में राणा की संलिप्तता पर विश्वास करने के संभावित कारण नहीं बताए हैं।

गगनयान के लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्रियों की ट्रेनिंग पूरी, जानें भारत के पहले मानव मिशन के बारे में

मास्को। (एजेंसी)।

गगनयान मिशन के तहत अंतरिक्ष में जाने के लिए चुने गए भारत के सभी चार अंतरिक्ष यात्रियों ने रूस में एक साल की ट्रेनिंग पूरी कर ली है। अंतरिक्ष यात्रियों की ट्रेनिंग के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और और रूसी लांच सेवा प्रदाता ग्लैवकॉसमॉस के बीच जून 2019 में समझौता हुआ था। ट्रेनिंग लेने वालों में भारतीय वायु सेना के एक ग्रुप कैप्टन और तीन विंग कमांडर शामिल हैं।

10 फरवरी, 2020 को शुरू हुई थी ट्रेनिंग

बता दें कि यह ट्रेनिंग 10 फरवरी, 2020 को शुरू हुई थी, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। रूस से लौटने के बाद ये सभी इसरो के डिजाइन किए गए ट्रेनिंग मॉड्यूल से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। भारत में ट्रेनिंग के तीन मुख्य भाग होंगे। पूरे प्रोजेक्ट पर एक मॉड्यूल, चालक दल के सदस्यों के लिए एक मॉड्यूल और फ्लाइट हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर एक मॉड्यूल होगा। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद इन चारों अंतरिक्ष यात्रियों को गगनयान के जरिये अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। वायुसेना के अधिकारियों को रूस में अंतरिक्ष की परिस्थितियों के अनुसार ढलने की ट्रेनिंग दी गई है। इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इसरो के गगनयान प्रोजेक्ट के तहत इंसान को अंतरिक्ष में भेजा जा सके, इसके लिए काम किया जा रहा है।

गगनयान प्रोजेक्ट पर 10 हजार करोड़ रुपए होंगे खर्च

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2018 को लालकिले की प्राचीर से गगनयान मिशन की घोषणा की थी। इस मिशन पर करीब 10 हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। पिछले साल केंद्रीय कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दी थी। बता दें कि स्पेस में जाने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन थे, जिन्होंने साल 1961 में स्पेस की यात्रा की थी। देश के पहले अंतरिक्षयात्री राकेश शर्मा ने 2 अप्रैल 1984 को रूस के सोयूज टी-11 में बैठकर स?पेस की यात्रा की थी। अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला रूस की वेलेन्टिना तरेश्कोवा ने 16 जून 1963 को स?पेस की यात्रा की थी। अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय महिला कल्पना चावला को 1997 में यह मौका मिला था।

भारत के लिए मिशन गगनयान बेहद अहम

इसरो के प्रमुख के. सिवन ने कहा था कि भारत 2021 में अंतरिक्ष में मानव भेजकर इतिहास रचेगा। इसरो के गगनयान अभियान के बारे में उन्होंने कहा कि भारत के लिए गगनयान मिशन बेहद अहम है। यह देश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमता को बढ़ाएगा। उन्होंने बताया था कि चंद्रयान-2 मिशन ने 98 फीसद सफलता हासिल कर ली है। जहां तक प्रौद्योगिकी प्रमाण के मोर्चे की बात है तो इसमें लगभग पूरी तरह सफलता हासिल की गई है।

स्पेस में भारत का पहला मानव मिशन

गगनयान स्पेस में भारत का पहला मानव मिशन होगा, जिसे स्वदेशी रॉकेट जीएसएलवी मार्क-3 के जरिए अंजाम दिया जाएगा। भारत के लिए यह बेहद जरूरी प्रोजेक्ट है, क्योंकि इसकी सफलता से स?पेस के क्षेत्र में इसरो की धाक बढ़ जाएगी। दिसंबर, 2021 में गगनयान परियोजना के तहत तीन वैज्ञानिकों की टीम स्पेस में भेजी जाएगी। यह टीम कम से कम सात दिन तक गुजारने के बाद वापस धरती पर लौट आएगी। भारतीय वायुसेना के मुताबिक, इस परियोजना के लिए 10 पायलटों के चयन का पहला चरण पूरा हो गया है।

रूस की अंतरिक्ष एजेंसी करेगी मदद

भारतीय वायुसेना और इसरो दोनों मिलकर इस मिशन के लिए फाइनल तीन अंतरिक्ष यात्रियों का चयन किया था। इन चयनित अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण के लिए रूस भेजा गया था। इसरो ने इस काम के लिए रूस की अंतरिक्ष एजेंसी ग्लावकॉस्मोस के साथ इसी साल दो जुलाई को करार किया था। स्पेस में ये अंतरिक्ष यात्री विभिन्न प्रकार के माइक्रो ग्रैविटी परिक्षणों को अंजाम देंगे।

ब्रिटेन में लॉकडाउन का एक साल पूरा, पीएम जॉनसन ने दिया प्रतिबंध हटाने का संकेत

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में कोरोना वायरस महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन का एक साल पूरा होने पर मंगलवार को प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोविड-19 से मुकाबले के लिए जनता द्वारा प्रदर्शित साहस की सराहना की और चेतावनी के साथ सकारात्मक रवैया अपनाते हुए प्रतिबंध हटाने का संकेत दिया। ब्रिटेन में आज का दिन 'नेशनल डे ऑफ रिफ्लेक्शन' के तौर पर मनाया जा रहा है जिसके संदर्भ में उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में 'सबसे कठिन वर्ष' के दौरान राष्ट्र ने साहस का परिचय दिया।

ब्रिटेन में कोरोना वायरस से 43,01,000 लोग संक्रमित हुए हैं और 1,26,411 लोगों की मौत हो चुकी है। जॉनसन ने कहा, 'पिछले 12 महीने में हमारे बहुत से लोगों की जान गई और मैं उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है। आज लॉकडाउन के एक साल पूरे होने पर पीछे देखने का अवसर है जो कि देश के इतिहास में सबसे कठिन वर्ष रहा है।'

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री जॉनसन (56) भी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे और कुछ समय उन्हें अस्पताल में रहना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल में हमें राष्ट्र द्वारा प्रदर्शित किए गए साहस को भी याद रखना चाहिए। हम सबने अपनी भूमिका निभाई है चाहे वह नर्स या स्वास्थ्य कर्मी के रूप में अग्रिम मोर्चे पर काम करना हो, टीके के विकास और आपूर्ति का काम हो, टीका लगाने में सहायता करना हो, बच्चों को घर पर पढ़ाना हो या फिर वायरस का संक्रमण फैलने से फैलने से रोकने के लिए केवल घर पर ही रहना हो।' उन्होंने कहा, ÷सभी के कारण इस देश में जिंदगियां बची हैं। हमारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचए) सक्षम है और हम सावधानीपूर्वक प्रतिबंध हटाने के मार्ग पर चल पड़े हैं।

पीने के पानी की है जबरदस्त किल्लत, दुनिया के पांच में से एक बच्चे को जरूरत का पानी उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पूरी दुनिया में पानी का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके सबसे अधिक शिकार बच्चे हो रहे हैं। यूनीसेफ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में पांच में से एक बच्चे को उसकी जरूरत के मुताबिक पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में 4.5 करोड़ बच्चे ऐसी जगहों पर रह रहे हैं, जहां पर पानी की काफी समस्या है। यही नहीं, वैश्विक स्तर पर 1.42 अरब लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, 80 देशों में बड़ी संख्या में बच्चे ऐसी जगहों पर रह रहे हैं, जहां पानी के संकट से वे बुरी तरीके से जूझ रहे हैं। पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका के आधे से अधिक बच्चों को इस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिमी और मध्य अफ्रीका में यह आंकड़ा क्रमशः 31 और 25 फीसद का है, जबकि मध्य एशिया में यह स्थिति 23 फीसद बच्चों की है।

इन 37 देशों में स्थिति है खराब

रिपोर्ट में 37 हॉटस्पॉट देशों को चिह्नित किया गया है। इन जगहों पर जल संकट की स्थिति अधिक विकराल है। इन देशों में अफगानिस्तान, पाकिस्तान, हैती, इथोपिया, तंजानिया, यमन, केन्या, बुरकीना फासो, सूडान आदि देश शामिल हैं।

यूनीसेफ की कार्यकारी निदेशक हेनरिटा फोर का कहना है कि पानी का संकट एकदम से नहीं आया है। यह लंबे समय से था और क्लाइमेट चेंज ने इसे भयावह बना दिया। जब अकाल ने फूड सप्लाई को बाधित किया तो बच्चे कुपोषण के शिकार होने लगे। जब बाढ़ आई तो बच्चे पानी जनित रोगों से बीमार पड़ने लगे। वहीं, जब पानी के स्रोत कम हो गए तो बच्चों के पास इतना पानी नहीं था कि वे अपने हाथ धो सकें और रोगों से बचाव कर सकें।

मांग बढ़ रही, स्रोत घट रहे

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर में पानी की मांग लगातार बढ़ रही है, जबकि संसाधनों में लगातार कमी आ रही है। इसके अतिरिक्त, जनसंख्या का लगातार बढ़ना, शहरीकरण, पानी का दुरुपयोग और कुप्रबंधन, क्लाइमेट चैंज और मौसम की अप्रिय घटनाओं ने उपलब्ध पानी की मात्रा को कम कर दिया है। यूनीसेफ की रिपोर्ट में चेताया गया है कि 2040 तक चार में एक बच्चा पानी की गंभीर समस्या का सामना करेगा।

ऐसी है भारत की स्थिति

यूनीसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 9.14 करोड़ बच्चे जल संकट का सामना कर रहे हैं, यानी बच्चों की कुल आबादी के 20 फीसद बच्चे इस समस्या का सामना कर रहे हैं।

भूटान ने टीके की अतिरिक्त चार लाख खुराक देने पर पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया

थिम्पू। भूटान के प्रधानमंत्री लोतेय त्शेरिंग ने हिमालयी देश में कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम को राष्ट्रव्यापी रूप से संभव बनाने और भारत द्वारा कोविशिल्ड टीके की अतिरिक्त चार लाख खुराकें देने के लिए सोमवार को अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

भारतीय दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय राजदूत रुचिरा काम्बोज ने भूटान में पारो हवाई अड्डे पर विदेश मंत्री तांडी दोरजी को टीके की खेप सौंपी। त्शेरिंग ने एक ट्वीट में कहा, ''कोविशील्ड की अतिरिक्त 4,00,000 खुराकों के मिलने से हमारा राष्ट्रव्यापी टीकाकरण कार्यक्रम अब संभव हो पायेगा। भूटान के लोग और मैं नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं।'' भूटान को जनवरी में भारत से उपहार के रूप में कोविड-19 टीके की 1.5 लाख खुराक की पहली खेप मिली थी। भूटान पहला देश था जिसे भारत सरकार ने कोविड टीकों का उपहार दिया था। ये टीके सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) द्वारा निर्मित है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भूटान कोविड -19 के खिलाफ भारत की सहायता से अपनी पूरी आबादी की रक्षा करने वाले पहले देशों में से एक होगा।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की हत्या के प्रयास के जुर्म में 14 आतंकवादियों को मौत की सजा

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के दक्षिण-पश्चिमी निर्वाचन क्षेत्र में साल 2000 में उनकी हत्या की कोशिश करने के जुर्म में 14 इस्लामी आतंकवादियों को मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। ढाका के त्वरित सुनवाई न्यायाधिकरण-प्रथम के न्यायाधीश अबू जफर मोहम्मद कमरूज्जमां ने फैसला सुनाते हुए कहा, ''मिसाल कायम करने के लिये इस फैसले को फायरिंग दस्ता लागू करेगा, जब तक कि कानून द्वारा इसपर रोक न लगाई जाए।'' सुनवाई के दौरान उनमें से नौ जेल से अदालत में लाये गये थे।

न्यायाधीश कमरूज्जमां ने कहा कि अन्यथा दोषियों को बांग्लादेश के कानून के तहत मृत्युदंड की अनिवार्य समीक्षा के बाद उच्चतम न्यायालय के उच्च न्यायालय खंड की मंजूरी मिलने पर वर्तमान दस्तूर के अनुसार फांसी पर लटकाया जा सकता है। ये सारे दोषी प्रतिबंधित हरकत-उल-जिहाद बांग्लादेश के सदस्य हैं। बाकी पांच दोषी फरार हैं और उनकी गैर हाजिरी में उनपर सुनवाई चली तथा सरकार द्वारा नियुक्त वकीलों ने कानून के मुताबिक उनका बचाव किया। न्यायाधीश ने कहा कि फरार मुजरिमों की गिरफ्तारी या उनके आत्मसमर्पण कर देने के बाद फैसले को लागू किया जाए। हरकत-उल-जिहाद बांग्लादेश के आतंकवादियों ने 21 जुलाई, 2000 को दक्षिण-पश्चिम गोपालगंज के कोटलीपाड़ा में एक मैदान के समीप 76 किलोग्राम बम लगा दिया था। वहां हसीना एक चुनाव रैली को संबोधित करने वाली थीं।

इजराइल में मतदान शुरू, नेतन्याहू का राजनीतिक भविष्य दांव पर

यरुशलम। (एजेंसी)।

दो साल में चौथे संसदीय चुनाव के लिए इजराइल में मंगलवार को मतदान शुरू हो गया। इसे मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कथित विभाजनकारी शासन को लेकर जनमत संग्रह माना जा रहा है। चुनावी सर्वेक्षण के मुताबिक इजराइल के इस चुनाव में कड़ा मुकाबला है। इस चुनाव के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया गया और महामारी के बीच आखिरी दौर में टेलीविजन साक्षात्कार एवं शॉपिंग मॉल में, बाजार में नेताओं ने उपस्थित होकर मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश की। अंतिम समय में मतदाताओं तक पहुंचने के लिए नेताओं ने एसएमएस और फोन कॉल का सहारा लिया। इस चुनाव में नेतन्याहू ने खुद को ऐसे वैश्विक नेता के रूप में पेश किया जो देश की सुरक्षा एवं राजनयिक चुनौतियों से निपट सकता है। वह इजराइल में कोविड-19 टीके की सफलता और अरब देशों के साथ राजनयिक संबंध सुधारने के दम पर चुनाव जीतने का दावा कर रहे हैं।

वहीं नेतन्याहू के विरोधी उन पर गत एक साल में कोरोना वायरस के दौरान कुप्रबंधन का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि नेतन्याहू अपनी घोर रूढ़िवादी राजनीतिक रैलियों पर रोक लगने में नाकाम रहे जिससे वायरस का प्रसार हुआ। वे देश की खराब अर्थव्यवस्था, और बेरोजगारी को भी मुद्दा बना रहे हैं। विरोधियों का कहना है कि नेतन्याहू ऐसे समय पर शासन करने के योग्य नहीं हैं जब उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामले चल रहे हैं। हालांकि नेतन्याहू ने इन आरोपों से इनकार किया है। जानकारों के मुताबिक, इस बार करीब 15 प्रतिशत मतदाता अपने निर्वाचन क्षेत्रों से बाहर मतदान करेंगे। सरकार ने सुरक्षित मतदान कराने के लिए विशेष मतदान केंद्र बनाए हैं और वाहनों की तैनाती की गई है। यरुशलम में अलग से मतगणना होगी जिससे अंतिम नतीजे आने में देरी होगी। कड़े मुकाबले और बड़ी संख्या में अनिर्णय की स्थिति में रहने वाले मतदाताओं की वजह से छोटी पार्टियां 3.25 प्रतिशत न्यूनतम मत हासिल कर संसद में उपस्थिति दर्ज कराने के लिए संघर्ष कर रही हैं। इसकी वजह से अंतिम नतीजों के लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि इजराइली नागरिक पार्टी के लिए मतदान करते हैं, उम्मीदवार के लिए नहीं और गत 72 साल के इतिहास में कोई भी पार्टी अपने दम पर सरकार बनाने में सफल नहीं हुई है। संसदीय चुनाव में नेतन्याहू के अतिरिक्त, याईर लपिड, गिडियन सार और नफ्ताली बेनेट सत्ता के प्रमुख दावेदार हैं।

नेतन्याहू, सबसे लंबे समय तक (पांच बार) देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। चुनावी सर्वेक्षणों के अनुसार, उनकी पार्टी 'लिकुड' और उसके सहयोगी दलों को बहुमत से कम पर संतोष करना पड़ सकता है। विपक्षी दल के नेता याईर लपिड ने रक्षा मंत्री बेनी गांट्ज के सहयोग से पिछले साल चुनाव लड़ा था लेकिन नेतन्याहू और गांट्ज के बीच सत्ता की साझेदारी को लेकर हुए समझौते के बाद वह पीछे हट गए थे। इस बार उन्होंने नेतन्याहू को हराने का दावा करते हुए प्रचार किया है। पूर्व शिक्षा मंत्री गिडियन सार को कभी नेतन्याहू का उत्तराधिकारी माना जाता था लेकिन उन्होंने सत्ताधारी दल से अलग होकर लिकुड पार्टी के पूर्व नेताओं के साथ मिलकर नया दल 'ए न्यू होप' बनाया है।

संपादकीय

सच्ची खुशी
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

सृष्टि के शुरूआत से ही इंसान की यही कोशिश रही है कि वो अपनी ज़िंदगी को खुशियों से जिये और इसके लिए वह उन कार्यों करने की कोशिश करता है जिनसे उसे लगता है कि उसे खुशी मिलेगी। हममें से बहुत से लोग यह सोचते हैं कि जब हमारा शरीर तंदुरुस्त होगा, हमारे पास बहुत सारा पैसा होगा, हमारे रिश्ते-नाते बेहतर होंगे, एक बहुत बड़ा घर होगा या एक सफल कैरियर होगा तो हमें खुशी मिलेगी। इसके लिए हम यही कोशिश करते हैं कि दुनिया में कुछ बन जाएं, अपने शरीर को स्वस्थ रखें, अपने लिए कुछ नाम कमाएं, कुछ धन-दौलत कमाएं, अपने परिवार व रिश्ते-नातों को अच्छी तरह निभायें और इन सब बाहरी खुशियों को पाने के लिए हम अपना बेशकीमती समय उन कार्यों में ही लगा देते हैं।

हममें से अधिकतर लोग अपने आपको शरीर और मन मानते हैं। हम अपना सारा समय अपनी शारीरिक जरूरतों (भोजन, आवास, कपड़ा) की पूर्ति और इसे आराम देने के लिए विभिन्न प्रकार के आनंद की प्राप्ति में ही लगा देते हैं। इसके साथ-साथ हम अपने बौद्धिक विकास के लिए अपना अधिकतर समय एक अच्छी शिक्षा की प्राप्ति में लगाते हैं जिससे कि हम एक सुनहरा उज्जवल भविष्य बनाकर इस दुनिया में नाम-शौहरत और दौलत कमा सकें।

अगर हम ध्यान से देखें तो हम पाते हैं कि इस दुनिया की शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक खुशियाँ प्राप्त करने पर हमें इनके खो जाने का डर हमेशा बना रहता है। इनमें से कोई भी खुशी स्थायी नहीं है क्योंकि इस दुनिया की हर चीढ़ नाशवान है। ऐसे में हम सोचते हैं कि क्या कोई ऐसी खुशी है जो सदा-सदा के लिए हमारे साथ रहती है? तब हमारा ध्यान अपने धर्मग्रंथों व संतों-महापुरुषों की शिक्षाओं की ओर जाता है।

महापुरुष समझाते हैं कि अगर हमें सच्ची खुशी पानी हैं तो वह इस बाहर की दुनिया में नहीं बल्कि हमारे भीतर ही हमें मिलेगी। जिसके लिए हमें अपने ध्यान को इन बाहरी दुनिया के आकर्षणों से हटाकर अपनी आत्मा की ओर लगाना होगा। जिसके लिए हमें वक्त के किसी पूर्ण गुरु के चरण-कमलों में पहुँचकर उनसे ध्यान-अभ्यास की विधि सीखनी होगी। जैसे-जैसे हम ध्यान-अभ्यास में नियमित रूप से समय देते हैं तो हम अपने अंतर में प्रभु की ज्योति और श्रुति के साथ जुड़कर सच्ची खुशी का अनुभव करते हैं, जिससे कि हमारा इस जीवन को देखने का नज़रिया ही बदल जाता है।

ध्यान-अभ्यास के ज़रिये हमारा मिलाप प्रभु से हो जाता है और हम हमेशा-हमेशा की खुशी को पा लेते हैं। ध्यान-अभ्यास की यह विधि प्रत्येक इंसान कर सकता है चाहे वह बच्चा हो या बुजुर्ग। हमें चाहिये कि हम छोटी उम्र से ही ध्यान एकाग्र करना सीखें जिससे कि बड़े होने पर यह हमारी एक आदत बन जाए।

जो लोग ध्यान एकाग्र करना सीख लेते हैं वह अपना ध्यान संसार की चिंताओं से हटाकर स्वयं को अंतर के आनंद से जोड़ना सीख लेते हैं और अपने अंतर में सदा-सदा की खुशी का अनुभव करते हैं। जब हम अपनी दैनिक जीवन की जिम्मेदारियाँ निभा रहे होंगे, तब भी यह खुशी हमारे साथ रहेगी। जब हम काम पर जाएंगे, चाहे ट्रैफिक में गाड़ी चला रहे हों या शॉपिंग करते समय या बच्चों का पालन-पोषण करते समय दिन-रात, हर समय, हर पल यह खुशी हमारे साथ रहती है। ध्यान-अभ्यास करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब हमने अंतर प्रभु की दिव्य-ज्योति और श्रुति के साथ जुड़ते हैं तो हमें यह अनुभव हो जाता है कि प्रभु की यह शक्ति न सिर्फ इंसानों को बल्कि सृष्टि के सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों आदि को भी जान दे रही है। तब हमारे अंदर सभी के प्रति प्रेम, अहिंसा और करूणा का भाव उत्पन्न होता है और हम चाहते हैं कि उनका जीवन भी खुशी से भरपूर हो जाए।

तो आईये आज विश्वभर में खुशी का दिन (ह्रद्गह्लठ्ठड्डद्दद्यश्चठ्ठड्डद्य ष्ठड्ड4 श्व्द्ध ॥ड्डश्चश्चद्बठ्ठद्गह्यह्य) मनाया जा रहा है। इस अवसर पर हम ध्यान-अभ्यास में समय देकर अपने अंतर में सदा-सदा की खुशी को अनुभव कर इसे संसार भर में फैलायें।

आज के ट्वीट
संवेदना

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुई सड़क दुर्घटना से अत्यंत दुख पहुंचा है। मृतकों के परिजनों के प्रति मैं संवेदना प्रकट करता हूं, साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं:

-- पीएम

एक देश एक चुनाव पर जल्द सहमति बने

- लालजी जायसवाल

पिछले दिनों एक संसदीय समिति की संसद के दोनों सदनों में पेश रिपोर्ट में कहा गया कि अगर देश में एक चुनाव होता है, तो न केवल इससे सरकारी खजाने पर बोझ कम पड़ेगा बल्कि राजनीतिक दलों का खर्च कम होने के साथ मानव संसाधन का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही मतदान के प्रति मतदाताओं की जो उदासीनता बढ़ रही है, वह भी कम हो सकेगी। प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार कह चुके हैं कि एक देश एक चुनाव अब सिर्फ एक चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि ये भारत की जरूरत है। क्योंकि देश में हर महीने कहीं न कहीं बड़े चुनाव हो रहे होते हैं, इससे विकास कार्यों पर जो प्रभाव पड़ता है, उससे देश भली-भांति वाकिफ हैं। उनका कहना था कि बार-बार चुनाव होने से प्रशासनिक काम पर भी असर पड़ता है। अगर देश में सभी चुनाव एक साथ होते हैं, तो पार्टियां भी देश और राज्य के विकास कार्यों पर ज्यादा समय दे पाएंगी। एक देश एक चुनाव की बात कोई नई नहीं है, क्योंकि वर्ष 1952,1957,1962 और 1967 में लोकसभा और राज्य विधानसभा दोनों के चुनाव साथ-साथ हो चुके हैं। लेकिन वर्ष 1967 के बाद कई बार ऐसी घटनाएं सामने आई, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभा अलग-अलग समय पर भंग होती रही है। इसका विशेष कारण अपना विश्वास मत खो देना और गठबंधन का टूट जाना था। लेकिन वन नेशन, वन इलेक्शन आज अपरिहार्य है। वर्ष 1999 में विधि आयोग ने अपनी 170 वीं रिपोर्ट में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने का समर्थन किया था। लेकिन इसके लिए संविधान में संशोधन करने की जरूरत होगी। क्योंकि यह देखा गया है कि पूर्व में विधानसभाएं समय रहते ही भंग होती रही हैं। जाहिर है कि कई राज्य विधानसभाओं का समय सीमा भी कम करना होगा और कई का समय सीमा बढ़ाना भी पड़ेगा। यही समस्या लोकसभा में भी हो सकता है। अतः इन तमाम मुश्किलों से निदान पाने के लिए अनुच्छेद 83, 85, 172 और अनुच्छेद 174 के साथ अनुच्छेद 356 में भी संशोधन करना होगा। साथ में लोक प्रतिनिधि कानून में भी बदलाव की जरूरत होगी। एक देश एक चुनाव के अनेक फायदे हैं, जो देश की प्रगति को नई दिशा प्रदान करेंगे, क्योंकि बार-बार चुनावों में खर्च होने वाली धनराशि बचेगी, जिसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संकट निवारण आदि ऐसे कार्यों में खर्च कर सकेंगे। लोगों के आर्थिक जीवन के साथ सामाजिक जीवन में सुधार सुनिश्चित हो सकेगा। कई देशों ने विकास को गति देने के लिए एक देश एक चुनाव का फार्मूला अपनाया। जैसे-स्वीडन में पिछले साल आम चुनाव, काउंटी और नगर निगम के चुनाव एकसाथ कराए गए थे। इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, स्पेन, हंगरी, स्लोवेनिया, अल्बानिया, पोलैंड, बेल्जियम भी एक बार चुनाव कराने की परंपरा है। एक साथ चुनाव से आर्थिक बोझ कम होगा, क्योंकि वर्ष 2009 लोकसभा चुनाव में ग्यारह सौ करोड़ वर्ष 2014 में चार हजार करोड़ और वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति बहत्तर रुपये खर्च हुआ था। इसी प्रकार, विधानसभाओं के चुनाव में भी यही स्थिति नजर आती रही है। बार-बार चुनाव के कारण आचार संहिताओं से राज्यों को दो चार होना पड़ता है, जिससे सभी विकास कार्य बाधित होते हैं। इससे शिक्षा क्षेत्र भी अत्यधिक प्रभावित होता है और अलग-अलग चुनाव से काले धन का अत्यधिक प्रवाह भी होता है। यदि एकसाथ चुनाव होगा तो काले धन के प्रवाह पर निश्चित रोक लगेगी। साथ ही लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ होने से आपसी सौहार्द बढ़ेगा, क्योंकि चुनाव में बार-बार जाति-धर्म के मुद्दे नहीं उठेंगे और आम आदमियों को भी तमाम परेशानियों से मुक्ति मिल सकेगी। नतीजतन, एक साथ चुनाव देश के हित में विकास को परिलक्षित करता है। निश्चित ही एक साथ चुनाव से कुछ समस्याओं का सामना भी करना होगा लेकिन सदैव के लिए इससे मुक्ति पाने के बाबत एक देश एक चुनाव जरूरी है। इससे क्षेत्रीय पार्टियों पर संकट आ सकता है और उनके क्षेत्रीय संसाधन सीमित हो सकते हैं, क्षेत्रीय मुद्दे भी खत्म हो सकते हैं और चुनाव परिणाम में देरी भी हो सकती है। साथ ही अतिरिक्त केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की आवश्यकता भी होगी। अतः इनकी भारी संख्या मे नियुक्ति की जरूरत पड़ेगी। एक साथ चुनाव कराने के लिए ईवीएम की पर्याप्त आवश्यकता पड़ेगी, क्योंकि आज वर्तमान समय में बारह से पंद्रह लाख ईवीएम का उपयोग किया जाता है। लेकिन जब एक साथ चुनाव होंगे तो उसके लिए तीस से बत्तीस लाख ईवीएम की जरूरत होगी। इसके साथ वीवीपैट भी लगाने होंगे। इन सब को पूरा करने के लिए चार से पांच हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त आवश्यकता होगी। निश्चित ही पूंजीगत खर्च तो बढ़ेगा ही, क्योंकि एक साथ तीस से बत्तीस लाख ईवीएम की जरूरत को पूरा करना होगा और प्रति तीन बार चुनाव अर्थात् पंद्रह साल में इनको बदलना भी होगा, क्योंकि इनका जीवनकाल पंद्रह साल तक ही होता है। लेकिन एक साथ चुनाव से अनेक फायदे भी होंगे। एक देश-एक चुनाव' से सार्वजनिक धन की बचत तो होगी ही वही दूसरी ओर प्रशासनिक सेटअप और सुरक्षा बलों पर भार भी कम होगा तथा सरकार की नीतियों का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा और यह भी सुनिश्चित होगा कि प्रशासनिक मशीनरी चुनावी गतिविधियों में संलग्न रहने के बजाय विकासात्मक गतिविधियों में लगी रहे। रिपोर्ट के अनुसार, आम चुनाव में राजनीतिक दल साठ हजार करोड़ रुपए खर्च करते हैं और राज्य विधानसभा चुनाव में भी इतना ही खर्च होता है तो दोनों को मिलाकर 1.20 लाख करोड़ रुपए राजनीतिक दलों द्वारा खर्च किए जाते हैं। अब जब एक चुनाव से प्रचार भी एक ही बार करना होगा इसलिए खर्च घटकर आधा रह जाएगा। निश्चित ही पर्याप्त धन की बचत होगी जो देश कि दशा और दिशा का निर्धारण कर सकेगा। एक देश, एक चुनाव की अवधारणा में कोई बड़ी खामी नहीं दिखती है, किन्तु राजनीतिक पार्टियों द्वारा जिस तरह से इसका विरोध किया जाता रहा है, उससे लगता है कि इसे निकट भविष्य लागू कर पाना संभव नहीं हो सकेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत हर समय चुनावी चक्रव्यूह में घिरा हुआ नजर आता है। चुनावों के इस चक्रव्यूह से देश को निकालने के लिये एक व्यापक चुनाव सुधार अभियान चलाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री लम्बे समय से लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एकसाथ कराने पर ज़ोर देते रहे हैं। लेकिन इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की राय बँटी हुई रही है। पिछले साल जब लॉ कमीशन ने इस मसले पर राजनीतिक पार्टियों से सलाह ली थी, तब समाजवादी पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति, शिरोमणि अकाली दल जैसी पार्टियों ने 'एक देश, एक चुनाव' की सोच का समर्थन किया था। अतः अब समय आ गया है कि देश के सभी राजनीतिक दलों को एकजुटता के साथ सरकार के एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर चर्चा कर इसे लागू कराने पर अपनी सहमति देनी चाहिए। यह राजनीतिक नहीं अपितु विकास का मुद्दा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा
ज्ञान

आचार्य रजनीश ओशो/ एक ज्ञान है, जो भर तो देता है मन को बहुत जानकारी से, लेकिन हृदय को शून्य नहीं करता। एक ज्ञान है, जो मन भरता नहीं, खाली करता है। हृदय को शून्य का मंदिर बनाता है। एक ज्ञान है, जो सीखने से मिलता है और एक ज्ञान है जो अनसीखने से मिलता है। जो सीखने से मिले, वह कूड़ा-करकट है। जो अनसीखने से मिले, वही मूल्यवान है। सीखने से वही सीखा जा सकता है, जो बाहर से डाला जाता है। अनसीखने से उसका जन्म होता है, जो तुम्हारे भीतर सदा से छिपा ही है। ज्ञान को अगर तुमने पाने की यात्रा बनाया, तो पंडित होकर समाप्त हो जाओगे। ज्ञान को अगर खोने की खोज बनाया, तो प्रज्ञा का जन्म होगा। पांडित्य तो बोझ है; उससे तुम मुक्त न होओगे। वह तो तुम्हें और भी बांधेगा। वह तो गले में लगी फांसी है, पैरों में पड़ी जंजीर है। पंडित तो कारागृह बन जाएगा तुम्हारे चारों तरफ। तुम उसके कारण अंधे हो जाओगे। तुम्हारे द्वारा दरवाजे बंद हो जाएंगे। क्योंकि जिसे भी यह भ्रम पैदा हो जाता है कि शब्दों को जानकर उसने जान लिया, उसका अज्ञान पत्थर की तरह मजबूत हो जाता है। तुम उस ज्ञान की तलाश करना जो शब्दों से नहीं मिलता, निःशब्द से मिलता है। जो सोचने विचारने से नहीं मिलता, निर्विचार होने से मिलता है। तुम उस ज्ञान को खोजना, जो शास्त्रों में नहीं है, स्वयं में है। वही ज्ञान तुम्हें मुक्त करेगा, वही ज्ञान तुम्हें एक नए नर्तन से भर देगा। वह तुम्हें जीवित करेगा, वह तुम्हें तुम्हारी कब्र के ऊपर बाहर उठाएगा। उससे ही आएंगे फूल जीवन के। और उससे ही अंततः परमात्मा का प्रकाश प्रगटेगा। पंडित जानता है और नहीं जानता। लगता है कि जानता है। ऐसे ही, जैसे बीमार आदमी बजाय औषधि लेने के, चिकित्साशास्त्र का अध्ययन करने लगे। जैसे भूखा आदमी पाकशास्त्र पढ़ने लगे। ऐसे सत्य की अगर भूख हो, तो भूल कर भी धर्मशास्त्र में मत उलझ जाना। वहां सत्य के संबंध में बहुत बातें कही गई हैं, लेकिन सत्य नहीं है। क्योंकि सत्य तो कब कहा जा सका है? कौन हुआ है समर्थ जो उसे कह सके? इसलिए गुरु ज्ञान नहीं देता, वस्तुतः तुम जो ज्ञान लेकर आते हो उसे छीन लेता है। गुरु तुम्हें बनाता नहीं, मिटाता है। तुम्हारी याददाश्त के संग्रह को बढ़ाता नहीं, तुम्हारी याददाश्त, तुमहारे संग्रह को खाली करता है। जब तुम पूरे खाली हो जाते हो, तो परमात्मा तुम्हें भर देता है। शून्य हो जाना पूर्ण को पाने का मार्ग है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

सरल भाषा से पूरा होगा न्याय का लक्ष्य

अनूप भटनागर

आमतौर पर कानून की भाषा जटिल, घुमावदार और मुश्किल होती है और इसके वाक्य लंबे-लंबे होते हैं जो सहजता से आम जनता की समझ में नहीं आती। कानूनी भाषा को सरल और आसानी से समझ में आने वाला बनाने के लिए लंबे समय से सुझाव दिये जाते रहे हैं लेकिन अभी तक स्थिति में बदलाव नहीं आया है। अभी तक तो कानूनों और तमाम विधिक अधिसूचनाओं में प्रयुक्त भाषा की जटिलता पर ही चर्चा होती रही है लेकिन हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने भी एक फैसले में इस स्थिति पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई . चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम.आर. शाह की पीठ ने हि.प्र. उच्च न्यायालय के एक फैसले को पढ़ने में खासा समय लगाने के बाद टिप्पणी की कि इसे जिस तरह से लिखा गया है, उसमें समझने योग्य कुछ नहीं है। इस फैसले के बारे में इतना ही कहना पर्याप्त होगा कि न्यायमूर्ति शाह ने कहा कि उन्हें कुछ भी समझ में नहीं आया। फैसले में लंबे-लंबे वाक्य थे। उन्होंने तो व्यंग्यात्मक लहजे में टिप्पणी कि इसे पढ़ने के बाद उन्हें टाइगर बाम का इस्तेमाल करना पड़ा। एक सरकारी कर्मचारी के कदाचार से संबंधित इस मामले में उच्च न्यायालय द्वारा प्रयुक्त भाषा और वाक्य विन्यास पर न्यायाधीशों ने नाराजगी व्यक्त की और कहा कि फैसला ऐसा होना चाहिए जो पढ़कर समझ में आये। न्यायाधीशों की इन तल्ख टिप्पणियों से ही स्थिति को समझा जा सकता है। अक्सर न्यायिक भाषा आम जनता की समझ में नहीं आती है। स्थिति की गंभीरता का इस तथ्य से भी अनुमान लगाया जा सकता है कि न्यायालय में 'सरल' अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में कानूनों की हैंडबुक्स जारी करने और सरकारी नियमों के मसौदों में समझ में आने वाली आसान भाषा के इस्तेमाल के लिये भी एक जनहित याचिका दायर की गयी थी। प्रधान न्यायाधीश एस.ए. बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका पर शीर्ष अदालत ने 15 अक्तूबर, 2020 को कानून मंत्रालय और बार काउंसिल ऑफ इंडिया से जवाब मांगा था। यह मसला अभी न्यायालय में लंबित है। अधिवक्ता सुभाष विजयनर ने इस याचिका में तमाम कानूनों, इससे संबंधित नियमों और अधिसूचनाओं तथा अध्यादेशों में प्रयुक्त भाषा की जटिलता की ओर न्यायालय का ध्यान करते हुए सवाल उठाया है कि आखिर हमारा संविधान, कानून और विधि व्यवस्था किसके लिये है? ये देश के नागरिकों के लिये हैं या फिर वकीलों के लिये या न्यायाधीशों के लिये? याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि अगर संविधान, कानून, नियम और अधिसूचनायें देश के नागरिकों के लिये हैं तो इनकी भाषा सरल होनी चाहिए ताकि जनता इसे आसानी से समझ सके। अक्सर यह देखा गया है कि अदालतों में मुकदमे की सुनवाई हो चुकी होती है लेकिन अदालत में मौजूद वादकारी समझ ही नहीं पाता कि आखिर उसके मामले में क्या हुआ है। इसका नतीजा यह होता है कि सुनवाई खत्म होने के बाद वह वकील, मुंशी या फिर अदालत के कर्मचारी के पास जाकर वस्तुस्थिति जानने का प्रयास करता है। याचिकाकर्ता का कहना था कि अक्सर यह देखने में आया है कि हम जो बात दो शब्दों में खत्म कर सकते हैं, उसे कहने के लिये अस्पष्ट और जटिलतापूर्ण शब्दों का पूरा मायाजाल इस्तेमाल किया जाता है। इससे अदालत का भी समय खर्च होता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि न्यायालय आम जनता के हितों वाले कानूनों की पुस्तिका सरल अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध करने का निर्देश केन्द्र सरकार के कानून मंत्रालय को दे ताकि आम नागरिक अपने अधिकारों और शिकायतों के समाधान से संबंधित कानूनों और प्रक्रिया को सहजता से समझ सकें। चूंकि, कानूनी शिक्षा में बार काउंसिल ऑफ इंडिया की भी अहम भूमिका होती है, इसलिए याचिका में कानून की शिक्षा में सरल कानूनी लेखन अनिवार्य विषय के रूप में शुरू करने का भी आग्रह किया है। आज भी थानों में दर्ज होने वाली प्राथमिकी की भाषा को आम नागरिक ठीक तरीके से समझ नहीं पाता है। इसकी वजह इन प्राथमिकी में प्रयुक्त शब्दों में उर्दू और फारसी के शब्दों की भरमार है जबकि आज देश में फारसी समझने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। प्राथमिकी में प्रयुक्त कानूनी भाषा का मामला भी उच्च न्यायालय पहुंचा तो पता चला अकेले दिल्ली में ही शिकायतें दर्ज करने में करीब 383 उर्दू और फारसी के शब्दों का इस्तेमाल होता है। अदालत ने पुलिस को निर्देश दिया कि प्राथमिकी दर्ज करते समय सरल भाषा का इस्तेमाल हो ताकि शिकायतकर्ता और दूसरा पक्ष इसे सहजता से समझ सके। निःसंदेह अगर कानून की भाषा को सरल बनाना है तो कानून की किताबों में इस्तेमाल होने वाली भाषा और कानून के लेखन कार्य में सरल भाषा का इस्तेमाल सुनिश्चित करना होगा। उम्मीद है कि आने वाले समय में इस दिशा में ठोस प्रयास किये जायेंगे।

वरुण शर्मा फिर लौटेंगे 'चूचा' के किरदार में, जल्द शुरू होगी 'फुकरे 3' की शूटिंग

वरुण शर्मा को उनकी पहली और सुपरहिट फिल्म 'फुकरे' के किरदार 'चूचा' के लिए आज तक याद किया जाता है। इस फिल्म का सेकंड पार्ट आने के बाद जल्द ही तीसरे पार्ट फुकरे 2 की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। वरुण शर्मा ने बताया है कि फिल्म की शूटिंग अप्रैल के महीने में शुरू हो जाएगी। अली फजल, रिचा चड्ढा, पुलकित सम्राट, पंकज त्रिपाठी और वरुण शर्मा की सुपरहिट कॉमिडी फिल्म 'फुकरे' को आज तक याद किया जाता है। इस फिल्म का दूसरा पार्ट 'फुकरे रिटर्न्स' भी रिलीज हुआ था जिसे काफी पसंद किया गया था। अब खबर है कि इस फिल्म का तीसरा पार्ट बनाए जाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। यह खबर फिल्म में सबसे पॉप्युलर किरदार 'चूचा' को निभाने वाले वरुण शर्मा ने दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वरुण शर्मा ने बताया है कि वह 'फुकरे 3' में काम करने के लिए काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 4 साल बाद फुकरे के सेट्स पर जाकर उन्हें घर जैसा अहसास होगा। वरुण शर्मा ने इसी फिल्म से अपना करियर शुरू किया था और पहले ही किरदार के लिए उन्हें आज तक याद किया जाता है। वरुण ने बताया है कि इस बार फिल्म की स्क्रिप्ट और ज्यादा मजेदार है। वरुण ने बताया कि तैयारी पूरी हो चुकी है और फिल्म का स्टारकास्ट ने स्क्रिप्ट रीडिंग के कई सेशन पूरे कर लिए हैं। माना जा रहा है कि अप्रैल में फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। वरुण ने यह भी कहा है कि 'फुकरे' जैसी सुपरहिट कॉमिडी फिल्म में दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने का काफी दबाव होता है और उन्हें पूरा भरोसा कि फिल्म का तीसरा पार्ट भी ऑडियंस को पसंद आएगा। हाल में वरुण शर्मा राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के साथ फिल्म 'रूही' में नजर आए थे। इस फिल्म को दर्शकों का काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस समय वरुण शर्मा रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'सर्कस' की शूटिंग रणवीर सिंह के साथ कर रहे हैं। यह फिल्म गुलजार के डायरेक्शन में बनी संजीव कुमार की सुपरहिट कॉमिडी फिल्म 'अंगूर' का हिंदी रीमेक हैं।

अपने प्रशंसकों को स्पेशल गिफ्ट देंगे आयुष्मान

अभिनेता आयुष्मान खुराना हाल ही में आसाम में अपनी अगली फिल्म अनेक की शूटिंग कर लौटे हैं। यहां से वह अपने उन प्रशंसकों के लिए कुछ बेहद ही खास गिफ्ट्स लेकर आए हैं, जो सोशल मीडिया के जरिए लगातार उनके टच में रहते हैं। इन तोहफों में स्कार्फ, गैंडे की छोटी-छोटी मूर्तियां इत्यादि शामिल हैं। इन्हें एक स्पेशल बॉक्स में अपने खुद के लिखे नोट के साथ आयुष्मान अपने प्रशंसकों को भेजेंगे। इस नोट में अभिनेता ने लिखा है, आपने जमकर मेरा उत्साहवर्धन किया है, मुझे शुभकामनाएं दी हैं, निस्वार्थ भाव से मुझसे प्रेम किया है। इस मेहरबानी और समर्थन के लिए तहे दिल से आपका शुक्रिया। आपका प्यार मेरे लिए काफी मायने रखता है। आई लव यू टू। मैं जहां कहीं भी रहूं आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगे इसलिए मैं असाम से आपको एक खास प्यार का टोकन भेज रहा हूं। स्पाई थ्रिलर फिल्म अनेक को फिल्मकार अनुभव सिन्हा ने निर्देशित किया है।

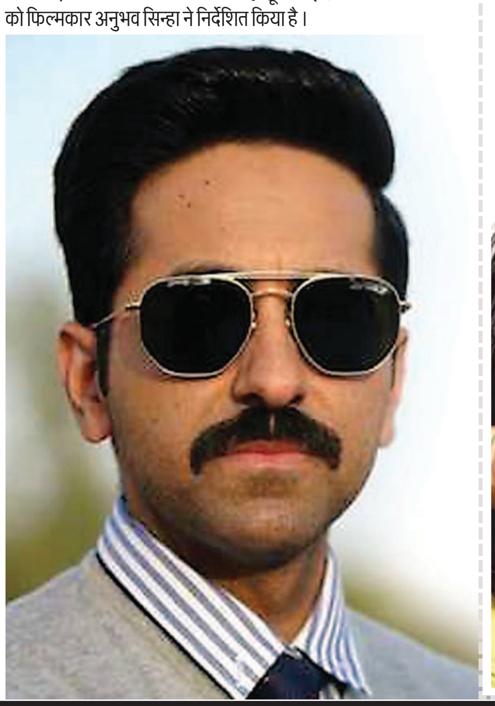

साइना अगर सेट पर मौजूद रहतीं तो घबराहट होती

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आगामी बायोपिक साइना में प्रख्यात बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल का किरदार निभा रही हैं। परिणीति का कहना है कि उन्हें इस बात की खुशी है कि शूटिंग के वक्त सेट पर साइना खुद नहीं बल्कि केवल ट्रेनर ही मौजूद रहे। अभिनेत्री ने कहा, मुझे हैदराबाद में साइना के घर जाकर उनसे मुलाकात करने की बात याद है। उन्होंने मुझसे कहा था, मैंने कभी तुम्हें स्पोर्ट्स खेलते नहीं देखा है। जब हम वापस लौटे तो मुझे पता लग चुका था कि मुझे अपनी ट्रेनिंग पर दोगुना काम करना पड़ेगा क्योंकि किसी ने मुझपर भरोसा किया है कि मैं जिम्मेदारी के साथ इस स्पोर्ट को सही से खेल पाऊंगी। अगर मैं उनके जैसा एक प्रतिशत भी खेल लेती हूं, तो मैं खुद को लकी समझूंगी। उन्होंने आगे कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि सेट पर कोच और ट्रेनर्स के अलावा किसी की मौजूदगी नहीं रही। अगर साइना खुद वहां रहतीं तो मैं नर्वस हो जाती। अमोल गुप्ते द्वारा निर्देशित फिल्म साइना 26 मार्च को रिलीज होने के लिए तैयार है।

आमिर की बेटी इरा को चाहिए 25 इंटर्न

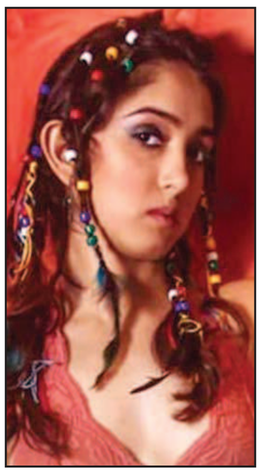

आमिर खान की बेटी इरा खान ने 25 लोगों के लिए जॉब डीटेल शेयर किया है। उन्हें अलग-अलग राज्यों से 25 इंटर्न्स की जरूरत है। इरा ने जॉब प्रोफाइल से लेकर सैलरी और शिफ्ट डीटेल भी शेयर की है। आमिर खान की बेटी इरा ने बॉलिवुड में भले एंट्री न ली हो, लेकिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में जरूर छाई रहती हैं। इरा सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं और इस बार उन्होंने बड़े काम की चीज शेयर की है। दरअसल इरा ने आज 22 मार्च से कुछ काम शुरू किया है और इस जॉब वेकेंसी को लेकर सैलरी की डीटेल भी शेयर की है। दरअसल इरा ने यह कदम मेंटल हेल्थ से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए बढ़ाया है। इरा ने बताया है कि उन्हें कितने लोगों की टीम की जरूरत है और कहां के लोग इस काम के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इरा ने यह भी बताया है कि इन लोगों की सैलरी प्रति महीने कितनी होगी। इरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट में बताया कि उन्हें 25 इंटर्न्स की जरूरत है। ये लोग ऐसे होने चाहिए ताकि अलग-अलग भाषा बोलने वाले इसमें शामिल हो सकें। कहा गया है कि 8 घंटे की शिफ्ट आज 22 मार्च से शुरू होने जा रही है। उन्होंने इच्छुक लोगों को अपना सीवी भेजने को कहते हुए इसके लिए एक ईमेल आईडी भी शेयर किया है। इसके अलावा इरा खान ने इस काम के लिए उन लोगों को भी आगे बढ़ने की बात लिखी हो, जो इसमें वॉलंटियर बनकर मदद कर सकते हैं। ऐसे लोगों को भी अपना सीवी भेजने के लिए इरा ने एक ईमेल आईडी दी है। बता दें कि इरा अपने पर्सनल लाइफ को लेकर काफी ओपन रही हैं और खुलकर सोशल मीडिया पर अपनी बातें रखना पसंद करती हैं। इरा करीब दो साल से मिशाल कृपलानी को डेट कर रही थीं और उनके सात कुछ तस्वीरें और वीडियो भी शेयर किए थे। हालांति 2019 में दोनों का ब्रेकअप हो गया और फिलहाल चर्चा है कि इरा अपने पिता आमिर खान के फिटनेस कोच नुपूर शिकारे को डेट कर रही हैं।

रानी मुखर्जी की अगली फिल्म होगी 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे'

बॉलिवुड की सबसे टैलेंटेड और सफल ऐक्ट्रेसेस में से एक रानी मुखर्जी 21 मार्च 2021 को अपना 43वां जन्मदिन मना रही हैं। रानी के बर्थडे के मौके पर उनकी अगली फिल्म की घोषणा भी हो गई है। रानी की अगली फिल्म का नाम 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' होगा। इस फिल्म को जी स्टूडियोज के साथ मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी की एमे एंटरटेनमेंट प्रड्यूस करेंगे। फिल्म की कहानी एक ऐसी अकेली मां की होगी जो अकेले पूरे देश से लड़ जाती है। फिल्म अभी प्री-प्रॉडक्शन स्टेज में है और इसे आशिमा छिब्बर डायरेक्टर करेंगी और माना जा रहा है कि जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। रानी ने इस फिल्म के अपने करियर की बेहद खास फिल्म बताया है। फिल्म के बारे में बात करते हुए रानी ने कहा कि अपना बर्थडे मनाने का इससे अच्छा तरीका कुछ नहीं हो सकता था कि इतनी खास फिल्म की घोषणा की जाए। रानी ने बताया कि 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' एक महिला प्रधान फिल्म है जो सभी मांओं को समर्पित होगी। अपने जन्मदिन के साथ ही रानी मुखर्जी ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल भी पूरे कर लिए हैं। उन्होंने साल 1996 में बांग्ला फिल्म 'बियेर फूल' से ऐक्टिंग डेब्यू किया था। हिंदी फिल्मों में उन्होंने उसी साल 'राजा की आएगी बारात' से डेब्यू किया था। अभी रानी मुखर्जी की अगली फिल्म 'बंटी और बबली 2' रिलीज होने वाली है जिसमें उनके साथ सैफ अली खान, सिद्धांत चतुर्वेदी और शरवरी वाघ नजर आएंगे।

1984 सिख दंगों पर बन रही फिल्म में लीड रोल में होंगे दिलजीत दोसांझ

सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ फिल्मों में अब कॉमेडी के अलावा एक सीरियस किरदार निभाते नजर आने वाले हैं। दिल्ली में साल 1984 में हुए सिख दंगों पर फिल्म बन रही हैं, जिसका निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे। इस फिल्म में दिलजीत लीड रोल में होंगे। इस पर बात करते हुए दिलजीत ने कहा कि वह बेबी थे जब यह सब हुआ था। दिलजीत दोसांझ कहते हैं, मैं 1984 में ही पैदा हुआ था। मैं बेबी था जब ये दंगे हुए। मैंने परिवार में बड़े लोगों को इस पर और इसके बारे में बात करते सुना है। जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था। सिनेमा में हम भविष्य बन सकते हैं, जिससे हम दोबारा उन गलतियों को न करें। बता दें कि यह फिल्म पंजाब और दिल्ली में शूट होगी। मजे की बात यह है कि दिलजीत दोसांझ '1984' पर फिल्म पर काम कर चुके हैं। दिलजीत के दोस्त अनुराग सिंह ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी, जिसमें दिलजीत ही नजर आए थे। वह फिल्म पंजाबी में थी। मालूम हो कि दिलजीत दोसांझ 'अर्जुन पटियाला' और 'गुड न्यूज' के बाद सीरियस ड्रैमैटिक एक्टर की ओर एक कदम बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने एक के बाद एक दो कॉमेडी फिल्में कीं। 1984 से मुझे एक सीरियस इशू को दिखाने का मौका मिल रहा है।

'ए थर्सडे' से नेहा धूपिया निभाएंगी पुलिस ऑफिसर की भूमिका

आरएसवीपी मूवीज ने ब्लू मंकी फिल्म्स के साथ अपनी आगामी डायरेक्ट-टू-डिजिटल थ्रिलर 'ए थर्सडे' से नेहा धूपिया का लुक रिलीज कर दिया है। बेहजाद खंबाटा द्वारा निर्देशित और लिखित, यह फिल्म गुरुवार को होने वाली अकल्पनीय घटनाओं पर आधारित है। आरएसवीपी मूवीज ने अपने सोशल मीडिया पर नेहा का लुक साझा करते हुए लिखा, 'शहर में एक नई कॉप आई है, चलिए इंवेस्टिगेशन शुरू करते हैं।' इस फिल्म में नेहा धूपिया एसीपी अल्वारेज नामक एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जहां वह पैंट, शर्ट और ब्लेजर में अपने किरदार के लिए एकदम परफेक्ट दिख रही हैं जिसे नेहा ने रॉल की हुई स्लीव्स, एविएटर्स और ऊपर बंधे बालो के साथ अपना यह लुक पूरा किया है। फिल्म में एक बुद्धिमान प्ले स्कूल टीचर, नैना जायसवाल की कहानी दिखाई गई है जो यामी गौतम द्वारा अभिनीत है और वह 16 बच्चों को बंधक बना लेती हैह। पहली बार यामी को एक ग्रे किरदार में दिखाते हुए, नेहा फिल्म में पुलिस वाले की भूमिका में दिखाई देंगी। ए थर्सडे के निर्माता, रोनी स्क्रूवाला आरएसवीपी के तहत ए थर्सडे का निर्माण करेंगे क्योंकि वह हमेशा नई स्क्रिप्ट और प्रतिभाओं की तलाश में रहते हैं। इस दिलचस्प थ्रिलर में नेहा धूपिया, डिंपल कपाड़िया, अतुल कुलकर्णी, माया सराओ जैसे कई प्रतिभाशाली कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं, जिसमें यामी गौतम प्रमुख भूमिका में हैं। आरएसवीपी और ब्लू मंकी फिल्म्स द्वारा निर्मित ए थर्सडे, 2021 में डिजिटल रूप से रिलीज होगी जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू की गई है।

मैं एक नकारात्मक किरदार निभाना चाहता हूं

सूरज पंचोली एक खलनायक की भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हैं। वह एक ऐसा नकारात्मक किरदार निभाना चाह रहे हैं, जो पूरी तरह से ग्रे शेड्स और टकराव व संघर्ष से परिपूर्ण हो। सूरज ने आईएएनएस से कहा, ''अब तक मैंने केवल ड्रामा, एक्शन और एक डांस फिल्म का ही अनुभव लिया है। मैं एक नकारात्मक किरदार निभाना चाहता हूं, जो काफी स्तरित, ग्रे शेड्स और संघर्ष से भरा हुआ हो। एक अभिनेता के रूप में इस तरह के किरदार को निभाने का अनुभव अपने आप में ही मजेदार होगा। इसके अलावा यह काफी कुछ प्रदर्शन करने का एक मौका भी प्रदान करेगा।'' सूरज की नवीनतम फिल्म 'टाइम टू डांस' पिछले हफ्ते रिलीज हुई है और वह वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म 'हवा सिंह' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म दिग्गज बॉक्सर कैप्टन हवा सिंह की बायोपिक है, जिन्होंने 1966 और 1970 में लगातार संस्करणों में हैवीवेट वर्ग में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता था। वह 1961 से 1972 तक लगातार 11 बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप के विजेता भी रहे। 'हवा सिंह' जुनैद वासी द्वारा लिखित और प्रकाश नांबियार द्वारा निर्देशित है। फिल्म के पहले पोस्टर का अनावरण सलमान खान ने पिछले साल फरवरी में सोशल मीडिया पर किया था। सूरज ने कहा, ''अभी, मेरी ड्रीम फिल्म हवा सिंह होगी और मेरा पूरा ध्यान उस फिल्म पर है।''

कार्तिक आर्यन कुछ बड़ा करने के लिए तैयार

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने शनिवार को अपने प्रशंसकों को एक नए प्रोजेक्ट के बारे में बताया। अभिनेता वर्तमान में भूल भुलैया की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर अपलोड की, जिसमें वह अपने प्रशिक्षकों के साथ जिम में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, कुछ बड़ा करने के लिए प्रशिक्षण। हैशटैग नेक्स्टफिल्म, हैशटैगसुपरपंम्पड। कार्तिक ने हाल ही में अपने फोलोवर्स को सूचित किया कि अभिनेत्री तब्बू भूल भुलैया 2 की शूटिंग में शामिल हो गई हैं। फिल्म में किआरा आडवाणी भी हैं। इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया है। कोविड के कारण फिल्म की शूटिंग में कई बार देरी हुई।

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने में तेजी आई है जबकि चांदी में गिरावट दर्ज की गयी। सोना 116 रुपये की तेजी के साथ 44,374 रुपये प्रति दस ग्राम पहुंच गया। इससे पहले इसका पिछला बंद भाव 44,258 रुपये प्रति 10 ग्राम था। वहीं चांदी की कीमत प्रति किलोग्राम 117 रुपये की गिरावट के साथ ही 65,299 रुपये प्रति किग्रा पर फिसल गयी। वहीं पिछले कारोबारी सत्र का बंद भाव 65,416 रुपये प्रति किलोग्राम था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी दोनों के ही भाव क्रमशः 1,738 डॉलर प्रति औंस और 25.53 डॉलर प्रति औंस पर बरकरार हैं।

गूगल ने एंड्राइड ऐप में खराबी ठीक की

नयी दिल्ली, प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार को कहा कि उसने ऐप क्रैश होने की समस्या ठीक कर दी है, जिससे एंड्राइड उपयोगकर्ता जूझ रहे थे। सोशल मीडिया मंचों पर कई उपयोगकर्ताओं ने लिखा था कि अमेजन, जीमेल जैसे ऐप उनके एंड्राइड फोन पर क्रैश हो रहे हैं। गूगल के प्रवक्ता ने कहा, ''हमने वेबव्यू के साथ समस्या का समाधान कर दिया है, जिसके चलते एंड्राइड पर कुछ उपयोगकर्ताओं के कुछ ऐप क्रैश हो रहे थे। गूगल प्ले के जरिए एंड्राइड सिस्टम वेबव्यू और गूगल क्रोम को अपडेट करने से समस्या का समाधान हो जाना चाहिए।'' स्टैट्सकाउंटर के अनुसार एंड्राइड ऑपरेटिंग सिस्टम की वैश्विक मोबाइल फोन बाजार में 71.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सिप्ला के निदेशक मंडल ने उमंग वोहरा को फिर से प्रबंध निदेशक, वैश्विक सीईओ नियुक्ति किया

नयी दिल्ली, दवा कंपनी सिप्ला ने मंगलवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने उमंग वोहरा को कंपनी का प्रबंध निदेशक और वैश्विक सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) फिर से पांच साल के लिये नियुक्ति किये जाने को मंजूरी दे दी है। सिप्ला ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने प्रबंध निदेशक उमंग वोहरा को प्रबंध निदेशक और वैश्विक सीईओ फिर से नियुक्त किये जाने को मंजूरी दे दी है। उनकी दोबारा से नियुक्ति एक अप्रैल, 2021 से 31 मार्च 2026 तक के लिये की गयी है।'' वोहरा 2015 में कंपनी से जुड़े थे और एक सितंबर 2016 से कंपनी के प्रबंध निदेशक और वैश्विक सीईओ हैं।

भारत में 100 यूनीकॉर्न स्टार्टअप, मूल्यांकन 240 अरब डॉलर से अधिकः सीएस

मुंबई, स्विटजरलैंड की ब्रोकरेज फर्म क्रेडिट स्विस ने मंगलवार को कहा कि भारत में 100 यूनीकॉर्न हैं, जिनका कुल मूल्य 240 अरब डॉलर से अधिक है। ब्रोकरेज फर्म के इक्विटी रणनीतिकार नीलकंठ मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य वाले ये यूनिकॉर्न या स्टार्टअप प्रौद्योगिकी आधारित क्षेत्रों के अलावा भी दवा और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे सभी उद्योगों में फैले हुए हैं। मिश्रा ने कहा कि इनमें से दो-तिहाई यूनिकॉर्न 2005 के बाद चालू हुए हैं। भारत में सूचीबद्ध कंपनियों की सूची में 336 कंपनियां ऐसी है जो बाजार में अपने शेयर मूल्य के हिसाब से एक अरब डालर से ऊंची हैसियत की हैं। उन्होंने कहा कि जोखिम लेने के लिए पूंजी की कमी को निजी इक्विटी फंडों द्वारा पूरा किया जा रहा है, जबकि दूरसंचार और बुनियादी ढांचा संपर्क से भी इन्हें मदद मिली है। उन्होंने कहा कि यूनिकॉर्न में वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियां अग्रणी हैं और इस क्षेत्र में पांच स्टार्टअप ऐसे है जिनका बाजार में कुल मूल्य 22 अरब डॉलर से अधिक है। इंडियन सिक्योरिटीज रिसर्च के प्रमुख आशीष गुप्ता ने कहा कि भारतीय फिनटेक कंपनियों ने 10 अरब डॉलर की पूंजी आकर्षित की है और वे स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में सबसे आगे हैं। मिश्रा ने कहा कि यूनिकॉर्न की संख्या में और अधिक वृद्धि हो सकती है क्योंकि उद्यमी नए उपक्रमों में धन का निवेश करते हैं।

59 मिनट में ऋण योजना के तहत 60 हजार करोड़ आवंटित किए, राज्यसभा में अनुराग ठाकुर ने दी जानकारी

बिजनेस डेस्कः

सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए शुरू की गई 59 मिनट में ऋण योजना के तहत अब तक 60,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रश्नकाल के दौरान विभिन्न पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह योजना अभी शुरुआती चरण में है और इस दौरान छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए 60,000 करोड़ रुपए का ऋण उस क्षेत्र के लिए बड़ी सुविधा है। सरकार ने छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए 59 मिनट में ऋण देने की योजना शुरू की है और इसके लिए एक पोर्टल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद इस सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र में पारदर्शिता पर जोर दिया है जिससे फर्जीवाड़ा और घोटालों की संख्या में कमी आई है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले देश में 'फोन बैंकिंग' चलती थी लेकिन उनकी सरकार ने डिजिटल बैंकिंग पर जोर दिया है। ठाकुर ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों की वजह से न सिर्फ सार्वजनिक बैंकों की गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) में कमी आई है बल्कि उनकी वसूली भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि 2013-14 में बैंकों की सकल एनपीए 8.96 लाख करोड़ रुपए था जो दिसंबर 2020 में घटकर 5.70 लाख करोड़ रुपए रह गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान बैंकों की वसूली 2.74 हजार करोड़ रुपए

रही। फर्जीवाड़ों में कमी आने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2013-14 में यह दर 1.01 प्रतिशत थी जो अब 0.23 प्रतिशत रह गई है। ठाकुर ने कहा कि सरकार सार्वजिनक क्षेत्र के बैंकों को प्रतिस्पर्धी और मजबूत बनाने पर जोर दे रही है। इसके लिए इन बैंकों में 4.38 लाख करोड़ रुपए का पुनर्पूंजीकरण किया गया है।

रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ प्रति डॉलर 72.43 पर बंद हुआ

मुंबई, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले विश्व की अन्य प्रमुख मुद्राओं में कमजोरी के रुख के अनुरूप विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपये का आरंभिक लाभ लुप्त हो गया और कारोबार के अंत में यह छह पैसे की गिरावट दर्शाता 72.43 (प्रारंभिक आंकड़ा) पर बंद हुआ। हालांकि, कच्चे तेल की घटती कीमतों और शेयर बाजार में तेजी के रुख से स्थानीय मुद्रा को कुछ समर्थन मिला और गिरावट पर अंकुश लगा। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा बाजार में रुपया 72.37 प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान, इसने 72.27 -उच्च और 72.45 के निम्न स्तर को छुआ। अंत में स्थानीय मुद्रा की विनिमय दर पिछले बंद की तुलना में छह पैसे की गिरावट के साथ प्रति डालर 72.43 पर बंद हुई। पिछले सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 72.37 पर बंद हुआ था। विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं में डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक, 0.42 प्रतिशत बढ़कर 92.12 हो गया। इस बीच, वैश्विक तेल बाजार का मानक माने जाने वाला ब्रेंट क्रूड वायदा 3.03 प्रतिशत गिरकर 62.66 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रह गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 280.15 अंक बढ़कर 50,051.44 अंक पर बंद हुआ।

ऋण किस्त स्थगन एक वाणिज्यिक फैसला, जो बैंकों को करना चाहिएः कोटक

नई दिल्ली:

जाने माने बैंककर्मी उदय कोटक ने मंगलवार को ऋण किस्त स्थगन पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह एक वाणिज्यिक निर्णय है जो बैंकों को लेना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आखिरकार विवेक की जीत हुई। यह एक वाणिज्यिक निर्णय है जो बैंकों को लेना चाहिए।'' शीर्ष न्यायालय ने 31 अगस्त 2020 से आगे ऋण किस्त स्थगन का विस्तार नहीं करने के केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि यह एक नीतिगत निर्णय है। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि छह महीने की ऋण किस्त स्थगन अवधि के लिए उधारकर्ताओं से कोई चक्रवृद्धि या दंडत्मक ब्याज नहीं लिया जाएगा और यदि पहले ही कोई राशि ली जा चुकी है, तो उसे वापस जमा या समायोजित किया जाएगा। आईसीआरए के उपाध्यक्ष (वित्तीय क्षेत्र की रेटिंग) अनिल गुप्ता ने कहा कि सभी ऋणदाताओं के लिए छह महीने की किस्त स्थगन अवधि के लिए चक्रवृद्धि ब्याज 13,500-14,000 करोड़ रुपए अनुमानित है। उन्होंने कहा, ''सरकार ने पहले ही दो करोड़ रुपए तक उधारी लेने वाले उधारकर्ताओं के लिए राहत की घोषणा की थी, जिसके खजाने पर लगभग 6,500 करोड़ रुपए का भार पड़ा।'' गुप्ता ने कहा, ''सभी उधारकर्ताओं के लिए छूट की घोषणा के बाद अब ऋणदाताओं को लगभग 7,000-7,500 रुपए की अतिरिक्त राहत देनी होगी।'' न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया के लिए जब कई बैंकों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया।

शेयर बाजारों में तेजी लौटी, बैंक, वित्तीय कंपनियों के शेयरों में खरीदारी का जोर

मुंबई,

शेयर बाजारों में मंगलवार को बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में लिवाली से तेजी लौट आई। उच्चतम न्यायालय द्वारा बैंक कर्ज की किस्त चुकाने को लेकर दी गई छूट अवधि बढ़ाने और ब्याज से पूरी तरह छूट देने से इनकार करने के बाद बैंक शेयरों में तेजी आ गई। यही वजह रही कि बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 280.15 अंक यानी 0.56 प्रतिशत चढ़कर 50,051.44 अंक पर पहुंच गया। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी सूचकांक भी कारोबार की समाप्ति पर 78.35 अंक यानी 0.53 प्रतिशत बढ़कर 14,814.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट में सबसे अधिक 3.06 प्रतिशत की तेजी रही। इसके साथ ही इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक,एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी बढ़त लेकर बंद हुये।

इसके विपरीत ओएनजीसी, पावरग्रिड, आईटीसी, एनटीपीसी, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा और एचडीएफसी के शेयरों में 2.28 प्रतिशत तक की गिरावट रही। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कर्ज की किस्तों को चुकाने से दी गई छूट की अवधि को पिछले साल 31 अगस्त से आगे नहीं बढ़ाने के केन्द्र और रिजर्व बैंक के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह सरकार का नीतिगत निर्णय है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण के नेतृत्व वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि जब तक सरकार का निर्णय दुर्भावनापूर्ण अथवा मनमाना नहीं होगा

वह केन्द्र सरकार की वित्तीय नीतियों के फैसले की न्यायिक समीक्षा नहीं कर सकता है। न्यायालय ने यह भी कहा है कि छह माह की रोक अवधि के दौरान बयाज पर ब्याज अथवा दंडात्मक ब्याज नहीं वसूला जायेगा लेकिन कहा कि ब्याज से पूरी तरह छूट नहीं दी जा सकती है क्योंकि इसका व्यापक वित्तीय प्रभाव होगा। रिलायंस सिक्युरिटीज के रणनीतिक प्रमुख बिनोद मोदी ने कहा कि वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेत मिलने के बावजूद वित्तीय कंपनियों के शेयरों में समर्थन मिलने से बाजार में तेजी का रुख रहा। उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के बाद बैंक शेयरों में धारणा को बढ़ावा मिला। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांग कांग, टोक्यो और सिओल के बाजारों में गिरावट दिखी वहीं, यूरोपीय शेयर बाजारों में प्रारंभिक रुझान नरम थे। यूरोपीय बाजारों में कोविड संक्रमण बढ़ने के समाचारों से गिरावट का रुख रहा। वैश्विक बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल का भाव 3.53 प्रतिशत नीचे रहकर 62.34 डालर प्रति बैरल पर बोला जा रहा था। वहीं विदेशी मुद्रा बाजार में डालर के मुकाबले रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवाने के बाद 6 पैसे गिरकर 72.43 रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। दुनिया की अन्य मुद्राओं में भी डालर के मुकाबले गिरावट का रुख रहा।

कोरोना ने तोड़ा पीएम मोदी का सपना, 5 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हुआ दूर

बिजनेस डेस्कः

कोरोना वायरस महामारी से पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। भारत को भी इससे झटका लगा है। इससे 2024-25 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में भी देरी हो सकती है। वैश्विक स्तर पर काम करने वाली एक वित्तीय संस्था बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज (बोफा) के अनुसार, कोविड-19 महामारी की वजह से भारत को उत्पन्न संकटों से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का महत्वकांक्षी लक्ष्य हासिल करने में तीन साल की देरी हो सकती है। यह लक्ष्य 2031-32 तक ही हासिल हो सकता है। इस संकट के चलते देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पिछले साल के मुकाबले 15.7 प्रतिशत पहले ही घट चुका है। भारत इस समय दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। बोफा द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया, ''महामारी के कारण उत्पन्न संकट को देखते हुए अब हमारा अनुमान है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2031-32 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। अगर भारत की वृद्धि दर 9 प्रतिशत रहती है तो यह 2031 तक (अमेरिकी डॉलर में) जापान के बाजार मूल्य पर आकलित जीडीपी की बराबरी कर लेगा और अगर वृद्धि 10 प्रतिशत रहती है तो भारत को 2030 में यह स्थिति हासिल हो जाएगी।''

2019-20 में भारत की अर्थव्यवस्था 2650 अरब डॉलर थी

रिपोर्ट में हालांकि न तो घरेलू अर्थव्यवस्था और न ही जापान की अर्थव्यवस्था के आकार को बताया गया है। वैसे 2019-20 में भारत की अर्थव्यवस्था 2650 अरब डॉलर की थी जबकि जापान की अर्थव्यवस्था 2020 में 4870 अरब डॉलर की थी। रिपोर्ट के अनुसार यह आकलन वास्तविक आधार पर 6 प्रतिशत वृद्धि, 5 प्रतिशत मुद्रास्फीति और रुपए की विनिमय दर में 2 प्रतिशत की गिरावट की मान्यता पर आधारित है।

बोफा का अनुमान

इससे पहले, बोफा ने 2017 में यह अनुमान जताया था कि भारत 2027-28 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होगा। यह अनुमान जनसंख्या संबंधी लाभ, वित्तीय परिपक्वता में वृद्धि और बड़े बाजार के उभरने जैसी मान्यताओं पर आधारित था। सोमवार को जारी रिपोर्ट में बोफा के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि तीनों तत्व अब मजबूत हो रहे हैं। इसके अलावा दो अन्य उत्प्रेरक तत्व हैं जो संरचनात्मक बदलाव को समर्थन कर रहे हैं। इसमें से एक आरबीआई द्वारा करीब आठ साल में विदेशी मुद्रा भंडार का उपयुक्त स्तर हासिल करना है। इससे वैश्विक झटकों से अर्थव्यवस्था के जोखिम को कम कर रुपए को स्थिर रखने में मदद मिलनी चाहिए। साथ ही, नरम नीति से वास्तविक ब्याज दर नीचे आई है जो 2016 से अर्थव्यवस्था की वृद्धि को प्रभावित कर रही थी। रिपोर्ट के अनुसार सतत वृद्धि के रास्ते में एकमात्र मुख्य जोखिम तेल की कीमत हैं, खासकर तब जब यह 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच जाती है। इसमें कहा गया है, ''वास्तव में हमारा वास्तविक वृद्धि दर 6 प्रतिशत का अनुमान 2014 से हो रही औसतन 6.5 प्रतिशत वृद्धि और 7 प्रतिशत की संभावना के हमारे अनुमान से नीचे है।''

मारुति के बाद निसान भी बढ़ाएगी कारों के दाम, कंपनी ने किया ऐलान

बिजनेस डेस्कः

ऑटो विनिर्माता निसान इंडिया ने मंगलवार को कहा कि कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी के चलते वह अपनी पूरी उत्पाद श्रृंखला की कीमतें अगले महीने से बढ़ाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि निसान और डैटसन के सभी मॉडलों की कीमतों में एक अप्रैल 2021 से बढ़ोतरी होगी। बयान में कहा गया है कि ऑटो कलपुर्जों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है और कंपनी ने पिछले कुछ महीनों में इस बढ़ोतरी को समायोजित करने की कोशिश की है। कंपनी ने हालांकि अभी यह नहीं बताया कि किस मॉडल की कीमत में कितनी बढ़ोतरी होगी। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक राकेश श्रीवास्तव ने कहा, ''हम निसान और डैटसन के सभी मॉडलों की कीमतें बढ़ाने को विवश हैं। यह बढ़ोतरी विभिन्न मॉडलों के लिए अलग-अलग होगी और हम अभी भी भारतीय ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम मूल्य की पेशकश कर रहे हैं।''

एक दिन पहले ही मारुति ने की थी घोषणा

इससे पहले सोमवार को मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा था कि वह कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण उसकी भरपाई के लिए अगले महीने से अपने सभी मॉडल के दाम बढ़ाएगी। कीमत में वृद्धि विभिन्न मॉडल के लिए अलग-अलग होगी। हालांकि, मारुति ने भी यह नहीं बताया है कि वह अगले महीने से वाहनों की कीमत कितनी बढ़ाएगी।

एसीएमई ने ओमान में वहां की कंपनी के साथ स्वच्छ हाइड्रोजन, अमोनिया कारखाना लगाने किया समझौता

नयी दिल्ली,

सौर बिजली उत्पादक कंपनी एसीएमई ने मंगलवार को कहा कि उसने ओमान के दुकम में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से शुद्ध हाइड्रोजन और अमोनिया के उत्पादन के लिये कारखाना लगाने को लेकर पश्चिम एशियाई देश की कंपनी ततवीर के साथ समझौता किया है। इस परियोजना में कुल 2.5 अरब डॉलर का निवेश अनुमानित है। एसीएमई ने एक बयान में कहा, '' दूकम में विशेष आर्थिक क्षेत्र के विकास के लिये ओमानी कंपनी (द ओमान कंपनी फॉर द डेवलपमेंट ऑफ द स्पेशल एकोनॉमिक जोन (ततवीर) और एसीएमई समूह (एसीएमई) ने आठ मार्च 2021 को सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। यह समझौता ओमान के दूकम में हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया के उत्पादन के लिये है।'' ततवीर के चेयरमैन राशिद अल बालुशी और एसीएमई के चेयरमैन मनोज के उपाध्याय ने सहमति पत्र पर दस्तखत किये। बयान के अनुसार इस एमओयू का मकसद नवीकरणीय ऊर्जा से हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया का उत्पादन कर एक बेहतर दुनिया बनाने में योगदान करना है। इस पहल के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र के साथ-साथ परिवहन और विनिर्माण क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना है। एसीएमई ने पायलट परियोजना के तहत राजस्थान में हरित हाइड्रोजन और अमोनिया क्षेत्र में पहल की है। यह परियोजना फिलहाल निर्माणधीन है और अप्रैल 2021 से परिचालन में आएगी। ततवीर और एसीएमई ने दुकम क्षेत्र में प्रतिदिन 2200 टन हरित अमोनिया के उत्पादन के लिये इकाई लगाने को लेकर भूखंड चिन्हित किया है। इसमें कुल 2.5 अरब डॉलर का निवेश अनुमानित है।

टेक्नो ने किफायती दाम पर नए उत्पादों की रेंज के साथ अपने एक्सेसरीज पोर्टफोलियो का विस्तार किया

नई दिल्ली। ग्लोबल प्रीमियम स्मार्ट ब्रैंड टेक्नो2 ने आज स्मार्टफोन एक्सेसरीज की सीरीज के लॉन्च की घोषणा की है। कंपनी ने अपने प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार करने और अपने कनेक्टेड डिवाइस इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया है। ब्रैंड ने ऑल न्यू टीडब्ल्यूएस बड्स 1, हॉट बीट्स जे2 और प्राइम पी 1 ईयरफोन लॉन्च किया है। इसके साथ ही फास्ट चार्जिंग यूएसबी केबल एम11 भी लॉन्च की गई है जोकि ग्राहकों को विभिन्न उत्पा दों में से चुनने का विकल्पब देगी। नई उत्पाभद पेशकश टेक्नोर को आक्रामक कीमतों में मूल्य को लेकर संवेदनशील एक्सेइसरीज सेगमेंट में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने में सक्षम बनाया है।

ट्रांसियॉन इंडिया के सीईओ श्री अरिजीत तालापात्रा ने कहा, "भारत में स्मार्टफोन एक्सेसरीज मार्केट तेजी से विकास कर रहा है। 2021 में इस मार्केट के और ज्यादा तेजी से फलने-फूलने की उम्मीद है। ग्राहकों द्वारा ऑडियो, पोर्टेबिलिटी और स्मार्ट एक्सेसरीज, फास्ट चार्जिंग वाले डिवाइस की मांग बढ़ गई है। इससे स्मार्टफोन निर्माता अपने इनहाउस एक्सेसरीज पोर्टफोलियो को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे कंपनी हाई कनेक्टेड डिवाइस इकोसिस्टम यूजर्स को प्रदान कर पाई है, जिससे लोग किफायती दाम पर शानदार म्यूजिक का अनुभव करने में सफल रहे हैं। नए प्रॉडक्ट्स के साथ टेक्नोस का पोर्टफोलियो अब और अधिक मजबूत हो गया है। इसने टेक्नोा के कनेक्टे ड डिवाइस इकोसिस्टाम को बेहतर बनाने में मदद की है। यह उपभोक्ताधओं के अनुभव को बढ़ाएगा। हमने पिछले साल हाईपॉड्स एच2 और मिनीपॉड लॉन्च किए थे। इन प्रॉडक्ट्स के लिए हमें जिस तरह का रेस्पॉन्स मिला, उससे हम टेक्नोी के प्रॉडक्ट्स पोर्टफोलियो को मजबूत बनाने के लिए और एक्सेनसरीज लाने के लिए प्रेरित हुए।" टेक्नो ईयरबड्स 1 (टीडब्ल्यूएस) अब आप किसी म्यूजिकल एक्सेसरीज से अपने पैसे की सही कीमत वसूलना चाहते हैं तो टेक्नोय ईयरबड्स उस कसौटी पर एकदम खरे उतरते हैं। वायरलेस बड्स 1 में 40 एमएएच*2 बैटरी है, जो एक बार चार्ज करने पर 4 घंटे का म्यूजिक टाइम देती है। अगर इसे 300 एमएएच के चार्जिंग केस के साथ इस्तेमाल किया जाए तो इससे 12 घंटे से अधिक समय तक ऑडियो सुना जा सकता है। यह स्थिर और काफी सुगमता से म्यूजिक सुनाने के लिए लेटेस्ट ब्लूटुथ 5.0 की तकनीक से लैस है।

जगुआर आई-पेस - सम्पूर्ण-इलेक्ट्रिक परफॉर्मेन्स वाली एसयूवी अब भारत में उपलब्ध

मुंबई । जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने आज भारत में रू105.9 लाख (एक्स शोरुम इंडिया) की शुरुआती कीमत के साथ ऑल इलेक्ट्रिक जैगुआर आई-पेस के लॉन्च की घोषणा कर दी है। जगुआर आई-पेस एक 90 केडबल्यूएच लिथियम-आयन बैटरी द्वारा पॉवर प्राप्त करती है जो 294 केडबल्यू पॉवर और 696 एनएम टॉर्क डिलीवर करती है जिससे आई-पेस केवल 4.8 संकेड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार हासिल कर लेती है।

अपने लॉन्च के के बाद जगुआर आई-पेस ने 80 से ज़्यादा ग्लोबल अवॉर्ड जीते हैं, जिनमें साल 2019 में प्रतिष्ठित वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर, वर्ल्ड कार डिज़ाइन ऑफ द ईयर और वर्ल्ड ग्रीन कार शामिल हैं, और इन अवार्ड्स की बदौलत यह बेहद कम समय में एक सच्ची इलेक्ट्रिक वेहिकल आइकन बन गई है।

जगुआर लैंड रोवर इंडिया लिमिटेड (जेएलआरआईएल) के प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर, रोहित सूरी ने कहा कि; "जैगुआरआई-पेस पहली संपूर्ण रुप से इलेक्ट्रिक एसयूवी है जिसे हमने भारत में लॉन्च की है और यह हमारे विद्युतीकरण की यात्रा की शुरुआत का संकेत है। अपने विद्युतीकृत उत्पादों के साथ हम भविष्य में भारत के विद्युतीकरण अभियान में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने की उम्मीद कर रहे हैं। जगुआर आई-पेस उन लोगों को आकर्षित करेगी जो अपना व्यक्तित्व प्रकट करने और कतार में आगे रहने के लिए नवीनतम टेक्नोलॉजी और डिज़ाइन की तलाश करते हैं और खरीदते हैं। ऐसे ग्राहकों की माँग पूरी करने के लिए हम और हमारा रिटेलर नेटवर्क पूरी तरह से तैयार है।"

जगुआर ने यह सुनिश्चित किया है कि ग्राहक की यात्रा के प्रत्येक कदम पर मानसिक शांति प्राप्त हो और एक इलेक्ट्रिक कार खरीदना यथासंभव आसान बनाया जाए। 19 शहरों में 22 रिटेल आउटलेट्स अब इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तैयार हैं और अब तक 35 इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जर प्रतिष्ठापित कर दिए गए हैं, जबकि कई अन्य पर काम जारी है। ये चार्जर्स 7.4 केडबल्यू एसी चार्जर और 25 केडबल्यू डीसी (फास्ट) चार्जर्स का मिश्रण हैं। ग्राहकों की सभी ज़रुरतों को पूरा करने और सवालों को उचित तरीके से समझाने के लिए रिटेलर स्टाफ को इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर गहन एवं समर्पित कोर्स के साथ विस्तृत तरीके से प्रशिक्षित किया गया है।

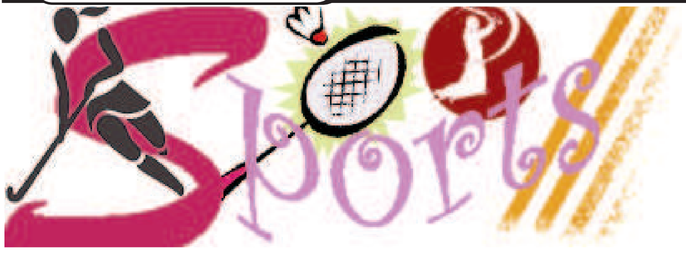

घुटने का ऑपरेशन करवाएंगे डेल पोत्रो, तोक्यो ओलंपिक में खेलने की उम्मीद

ब्यूनस आयर्स । पूर्व यूएस ओपन चैंपियन जुआन मार्टिन डेल पोत्रो इस सप्ताह अपने दायें घुटने का एक और आपरेशन करवाएंगे लेकिन उन्हें तोक्यो ओलंपिक में खेलने की उम्मीद है। अर्जेंटीना का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी जून 2019 में क्वीन्स क्लब के पहले दौर में चोटिल होने के बाद बाहर है। वह अपनी इस चोट का पहले भी तीन बार आपरेशन करवा चुके हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर बताया कि उनका शिकागो में एक और आपरेशन होगा। डेल पोत्रो ने कहा, 'हमने पारंपरिक उपचार भी अपनाया लेकिन दर्द अब भी है। चिकित्सक जानते हैं कि मैं फिर से टेनिस खेलना चाहता हूं और ओलंपिक का हिस्सा बनना चाहता हूं और इसलिए हम इस पर सहमत थे कि जल्द से जल्द आपरेशन करवाना चाहिए।' डेल पोत्रो ने 2009 में यूएस ओपन के फाइनल में रोजर फेडरर को हराकर अपना एकमात्र ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट जीता था।

निशानेबाजी विश्व कप : बाजवा, गनीमत ने जीता भारत का 7वां गोल्ड

नई दिल्ली.

भारत के अंगद वीर सिंह बाजवा और गनीमत सेखों ने मंगलवार को यहां शूटिंग वर्ल्ड कप के स्कीट मिक्स्ड टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। इस जोड़ी ने फाइनल में भारत के सातवें स्वर्ण पदक के लिए कजाकिस्तान की ओल्गा पैनारिना और एलेक्जेंडर येचेंको को 33-29 से हराया। यह इस विश्व कप में गनीमत का तीसरा पदक है, जिसने महिला स्कीट स्पर्धा में कांस्य और महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता है। इस बीच, भारत के परिनाज धालीवाल और मैराज अहमद खान मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा के कांस्य पदक के मुकाबले में रशीद हमद और रीम अल शरशानी के हाथों हार गए। सोमवार को, भारतीय निशानेबाजों ने तीन स्वर्ण सहित पांच पदक जीते थे। मनु भाकर और सौरभ चौधरी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता जबकि एलावेनिल वलारिवन और दिव्यांश सिंह पंवार ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम का खिताब जीता। भारत वर्तमान में पदक तालिका में शीर्ष पर चल रहा है। भारत के नाम 15 पदक हैं। इसमें सात स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य शामिल हैं। अमेरिका चार पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जिसमें दो स्वर्ण और एक रजत और कांस्य शामिल हैं।

भारत के पी इनियन नें जीता विश्व यूनिवर्सिटी ब्लिट्ज़ शतरंज रजत पदक

चेन्नई (निकलेश जैन)

कोविड के काल मे फीडे नें लगातार ऑनलाइन शतरंज को बहुत बढ़ावा दिया है और फीडे शतरंज ओलंपियाड से शुरू हुआ यह क्रम विश्व यूथ ऑनलाइन स्पर्धा , विश्व दिव्यांग , विश्व कोरपोरेट के बाद अब विश्व ऑनलाइन यूनिवर्सिटी शतरंज चैंपियनशिप आयोजित की जा रही है जिसमें रैपिड और ब्लिट्ज़ फॉर्मेट मे खेली जा रही है । टूर्नामेंट मे 73 देशो के 1002 खिलाड़ी खेल रहे है । खैर सबसे पहले ब्लिट्ज़ के परिणाम आ गए है और इसमें 25 वे वरीय और भारत से शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर पी इनियन नें शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत रजत पदक जीत लिया है । वह भारत के भारतियार विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे । इनियन नें पहला राउंड हारने के बाद वापसी करते हुए 7 राउंड मे 5.5 अंक बनाते हुए पहले स्थान के लिए टाई किया पर टाईब्रेक मे वह दूसरे स्थान पर रहे और इतने ही अंक बनाने वाले अर्मेनिया के हैक मरतिरोसयान विजेता बन गए ।

रूस के मिखाइल अंटीपोव 4.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे । महिला वर्ग का स्वर्ण पदक भी अर्मेनिया के नाम रहा और अन्ना सर्गस्यन नें 6 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया जबकि 5 अंक बनाकर बेलारूस की ओलगा बड़ेलका नें दूसरा तो 4 अंक बनाकर पोलैंड की अलिकजा स्लिविक्का नें तीसरा स्थान हासिल किया ।

ओलंपिक के लिए विदेशी वॉलेंटियरों को जापान में प्रवेश की इजाजत नहीं

टोक्यो. इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक और पैरालम्पिक खेलो में कोरोना वायरस के कारण विदेशी वॉलेंटियरों को जापान में प्रवेश की इजाजत नहीं दी जाएगी। आयोजकों ने बताया कि यह फैसला कोरोना के बचाव के कारण लिया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, टोक्यो 2020 आयोजन समिति के सीईओ तोशिरो मुतो ने बताया कि विशेष प्रतिभा वाले वॉलेंटियर, जो ओलंपिक तथा पैरालम्पिक को आराम से कराने के लिए जरूरी है, सिर्फ उन्हीं को विशेष नियम के तहत जापान में प्रवेश दिया जा सकता है। इसके लिए करीब 500 वॉलेंटियरों को छूट दी जा सकती है जिन्होंने 2000 लोगों के बीच चुना जाएगा। ओलंपिक और पैरालम्पिक खेलों के लिए पंजीकृत हुए 80,000 वॉलेंटियर्स में से 10 फीसदी विदेशी नागरिक हैं। आयोजकों ने इससे पहले ओलंपिक में विदेशी दर्शकों के शामिल होने पर रोक लगा दी थी।

अपने डेब्यू मैंच में क्रुणाल पंड्या ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड, पविलियन लौटने पर हुए भावुक

पुणे।

बल्लेबाज क्रुणाल पंड्या ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में धमाकेदार हाफ सेंचुरी ठोककर अपना ड्रीम डेब्यू किया है। उन्होंने महज 26 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्के उड़ाए। साथ ही उन्होंने डेब्यू वनडे में सबसे तेज हाफ सेंचुरी बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। वहीं, 7वें या उससे नीचे खेलते हुए डेब्यू मैच में फिफ्टी प्लस स्कोर करने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने। क्रुणाल से पहले सबा करीम और रविंद्र जडेजा ने यह कमाल किया था। सबा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 1997 में 55 और रविंद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ 2009 में नाबाद 60 रन की पारी खेली थी। दूसरी ओर, क्रुणाल ने 31 गेंदों की पारी में 7 चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 58 रन बनाए। जब वह पविलियन लौटे,तब इतना इमोशनल हो गए कि कुछ बोल ही नहीं पा रहे थे। उनकी आंखों से आंसू बहने लगे।

भारत और इंग्लैंड के बीच 3 मैचों की सीरीज के पहले वनडे में भारत की ओर से ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने डेब्यू किया। क्रुणाल और कृष्णा ने हाल में विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था जिसका इनाम उन्हें मिला है। क्रुणाल को उनके छोटे भाई हार्दिक पंड्या ने डेब्यू कैप दी, वहीं कृष्णा को केएल राहुल ने डेब्यू कैप दिया। 29 साल के क्रुणाल इससे पहले टी20 इंटरनैशनल मैच खेल चुके हैं। क्रुणाल ने 18 टी20 इंटरनैशनल मैचों में 121 रन बनाने के साथ साथ कुल 14 विकेट चटकाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

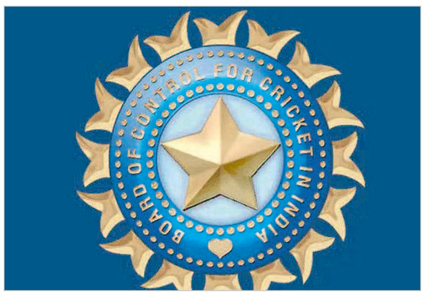

बीसीसीआई ने कोचिंग पाठ्यक्रम का आयोजन किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभिष्य मे बेहतर कोच बनाने के लिए अपनी एक पहल के तहत प्रथम श्रेणी के 75 से अधिक मैच खेलने वाले क्रिकेटरों के लिए दूसरे स्तर के दो फास्ट ट्रैक कोचिंग पाठ्यक्रमों का आयोजन किया है। इसमें एल बालाजी, रॉबिन उथप्पा और वर्तमान चयनकर्ता देबाशीष मोहंती जैसे मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी शामिल हुए। इस पाठ्यक्रम के पहले चरण का आयोजन कोरोना महामारी को देखते हुए ऑनलाइन आयोजित किया गया था जबकि दूसरे चरण का आयोजन राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में 16 से 19 मार्च तक किया गया। इसमें भारत के पूर्व खिलाड़ी ऋषिकेश कानितकर, अभिनव मुकुंद, रमेश पोवार, पूर्व चयनकर्ता सरनदीप सिंह, वसीम जाफर और विनय कुमार भी शामिल हुए। इस पाठ्यक्रम में 'कौशल सुधारने, तेज गेंदबाजी की तकनीकी पहलू, स्पिन गेंदबाजी, बल्लेबाजी, विकेट कीपिंग, के साथ साथ सामाजिक एवं व्यक्तिगत क्षमता का निर्माण और वीडियो विश्लेषण शामिल था।'' बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने यहां जारी बयान में कहा, ''प्रथम श्रेणी और अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट के अनुभव के साथ हमारे खेल की तकनीकी और रणनीतिक पेचीदगियों की समझ एक कोच जरूरी है।'' उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि हमारे पास दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ कोचिंग प्रतिभाएं हैं और एनसीए द्वारा संचालित इन पाठ्यक्रमों से न केवल उन लोगों को बहुत फायदा होगा जिन्होंने इसमें भाग लिया है, बल्कि इन कोचों द्वारा प्रशिक्षित होने वाले अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को भी फायदा होगा।'' बात है।''

कुश्ती : ट्रायल्स के बाद पांच भारतीय महिला पहलवानों का चयन

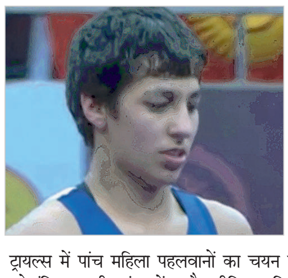

लखनऊ। एशिया ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट और सीनियर एशिया कुश्ती चैंपियनशिप में शामिल होने के लिए यहां भारतीय खेल प्राधिकरण ट्रेनिंग सेंटर (एसटीसी) में हुए सेलेक्शन ट्रायल्स में पांच महिला पहलवानों का चयन किया गया है। एशिया ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट और सीनियर एशिया कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन कजाखस्तान में नौ से 18 अप्रैल तक होना है। भारतीय कुश्ती महासंघ की ओर से जारी बयान के अनुसार जिन पहलवानों का चयन किया गया है उनमें सीमा (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), सोनम मलिक (62 किग्रा), निशा (68 किग्रा) और पूजा (76 किग्रा) शामिल हैं। बयान में बताया गया कि एशिया चैंपियनशिप के लिए अन्य चार भार वर्गों के सेलेक्शन ट्रायल 27 मार्च को होंगे।

रसेल, नरेन ने केकेआर की ट्रेनिंग कैम्प के लिए क्वारंटीन शुरू की

मुंबई.

आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आलराउंडर आंद्रे रसेल और सुनील नरेन टीम की ट्रेनिंग कैम्प से जुड़ने के लिए मंगलवार को मुंबई पहुंच गए। दोनों खिलाड़ी ने मुंबई पहुंचने के बाद सात दिन की अपनी क्वारंटीन अवधि शुरू कर दी है। दो बार की आईपीएल चैंपियन केकेआर ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि ये दोनों खिलाड़ी अमेरिका के रास्ते मुंबई पहुंचे हैं। नरेन ने कहा, जब भी आप आईपीएल के बारे में सोचते हैं तो आप भारत के बारे में सोचते हैं। यहां वापस पहुंचना फिर से शानदार है। उम्मीद है कि हम पिछले सीजन से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रसेल ने कहा, हम आपके करीब हैं। चाहे आप घर से देखे रहों या स्टेडियम से। आप हमेशा पर्पल और गोल्ड का समर्थन करेंगे। अब हम क्वारंटीन में जा रहे हैं और हम जानते हैं कि हम बायो बबल में रहेंगे। हम पहले भी बायो बबल में रह चुके हैं और इसलिए हम इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। दो बार कि विजेता कोलकाता के लिए क्वारंटीन शुरू करने से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक, सहायक कोच अभिषेक नायर, तेज गेंदबाज कमलेश नागरकोटी और बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी शनिवार को होटल पहुंचे थे। बीसीसीआई के दिशा-निदेशरें के अनुसार सभी खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और टीम मैनेजमेंट को होटल में सात दिन क्वारंटाइन में रहना होगा।

आईसीसी की महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर नंबर एक पर पहुंची शैफाली , ली की रैंकिंग बेहतर हुई

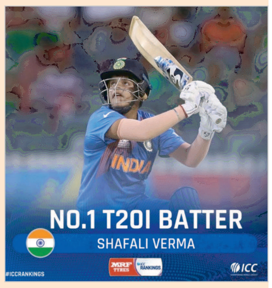

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा बल्लेबाज शैफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वर्तमान श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक बार फिर नंबर एक पर पहुंच गई है। शैफाली पिछले साल भी ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के दौरान शीर्ष पर पहुंची थी। उन्होंने अब 23 और 47 रन की पारियां खेलकर ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को पीछे छोड़ा था। आईसीसी के बयान के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लिजेल ली की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है लेकिन वनडे रैंकिंग में उन्होंने एक सप्ताह बाद ही इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट से अपना शीर्ष स्थान खो दिया। ली पिछले मैच में 70 रन की पारी खेलने के दम पर टी20 रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर 11वें नंबर पर पहुंच गई है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ही लॉरा वोलवार्ट पांच पायदान ऊपर 24वें, कप्तान सुन लुस पांच पायदान ऊपर 38वें और नाडिन डि क्लार्क सात पायदान ऊपर 74वें स्थान पर पहुंच गई है। भारतीयों में दीप्ति शर्मा चार पायदान ऊपर 40वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि ऋचा घोष ने 59 स्थान की लंबी छलांग लगाई है और वह 85वें नंबर पर पहुंच गई हैं। आलराउंडर हरलीन देओल बल्लेबाजी में 262 पायदान आगे 99वें और गेंदबाजों में 76 पायदान ऊपर 146वें स्थान पर काबिज हो गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ 34वें से 25वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वनडे रैंकिंग में बदलाव हुए हैं। भारतीय कप्तान मिताली राज एक पायदान ऊपर आठवें जबकि प्रिया पूनिया पांच पायदान आगे 53वें स्थान पर पहुंच गई है। गेंदबाजों में गायकवाड़ आठ स्थान ऊपर 38वें स्थान पर काबिज हो गई है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2021 के लिए प्रायोजकों की घोषणा की

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पूर्व चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद ने लीग के आगामी 14वें सीजन के लिए अपने प्रायोजकों की मंगलवार को घोषणा की। नौ अप्रैल से शुरू होने वाली लीग के 14वें संस्करण के लिए हैदराबाद ने जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड को मुख्य प्रायोजक बनाए रखा है, जोकि पिछले साल ही टीम से जुड़ी थी। इसके अलावा राल्को टायर्स और केंट आरओ भी टीम का मुख्य प्रायोजक बना हुआ है। वहीं, जियो, टीसीएल, ड्रीम 11, जय राज स्टील, नेरोलेक और कोलगेट को 14वें सीजन प्रायोजक के रूप में बरकरार रखा गया है, उनके लोगो और ब्रांडिंग सेट को टीम के मैच किट पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। कोटक बैंक, टायका, आईबी क्रिकेट, डबल हॉर्स और फैनकोड भी पार्टनर के रूप में टीम से जुड़ें हुए हैं।

क्राइस्टचर्च वनडे : लाथम का शतक, न्यूजीलैंड ने ली 2-0 की अजेय बढ़त

क्राइस्टचर्च।

कप्तान टॉम लाथम (नाबाद 110) के मैच जिताऊ शतक की बदौलत मेजबान न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां हेग्ले ओवल मैदान पर खेले गए दूसरे वनडे मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और बांग्लादेश ने छह विकेट पर 271 रन का स्कोर बनाया, जिसे कीवी टीम ने 10 गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 275 रन बनाकर हासिल कर लिया। लॉथम ने 108 गेंदों पर 10 चौके लगाए। उन्होंने साथ ही डेवन कॉन्वे (72) के साथ चौथे विकेट के लिए 113 रनों की साझेदारी करके टीम को जीत दिलाने में अहम योदान दिया। कॉन्वे ने 73 गेंदों पर सात चौके जड़े। उनके अलावा जेम्स नीशम ने 30 और मार्टिन गुप्टिल ने 20 रन बनाए। लॉथम को उनकी शतकीय पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। बांग्लादेश की ओर से मुस्ताफिजुर रहमान और मेहदी हसन ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले, बांग्लादेश ने छह विकेट पर 271 रन का स्कोर बनाया। टीम के लिए कप्तान तमीम इकबाल ने 108 गेंदों पर 11 चौकों की बदौलत 78 और मोहम्मद मिथुन ने 57 गेंदों पर 57 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्के की बदौलत 73 रनों की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा सौम्य सरकार ने 32, मुश्फिकुर रहीम ने 34 और महमूदुल्लाह ने 16 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए ट्रेंट बाउल्ट, मैट हेनरी और जेमिंसन ने एक-एक जबकि मिशेल सेंटनर को दो विकेट मिला। दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम वनडे मैच शुक्रवार को वेलिंग्टन में खेला जाएगा। इसके बाद वे रविवार से तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी।

इस्तवान कोवाक्स अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग संघ के महासचिव चुने गए

नई दिल्ली। दो बार के विश्व चैंपियन और ओलंपिक विजेता इस्तवान कोवाक्स को अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग संघ (आईबा) का महासचिव चुना गया है। यह फैसला संघ के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की सोमवार को हुई वीडियो कांफ्रेंस द्वारा बैठक में लिया गया। कोवाक्स इस सप्ताह महासचिव का पद संभालेंगे। आईबा के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने कहा, 'हमने फैसला किया है कि मुक्केबाजों को मौका दिया जाना चाहिए। वे अपनी पूरी जिंदगी बॉक्सिंग को देते हैं और अंदर तक चीजों को समझते हैं। उन्हें पता होता है कि कैसे खेल को विकसित करना है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने कोवाक्स को संघ का महासचिव चुना है। मुझे यकीन है कि वह अपने पद पर रहते हुए एक नया आयाम स्थापित करेंगे। कोवाक्स ने कहा, आईबा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने जो भरोसा मुझ पर जताया है उसके लिए मैं सभी का आभारी हूं। संघ का महासचिव बनना और अध्यक्ष क्रेमलेव के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। हम सभी चाहते हैं कि बॉक्सिंग को विकसित किया जाएगा जिससे हमारे एथलीट्स और कोच अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हर स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। संघ की नई लीडरशीप सही दिशा में है।

विधानसभा घेराव से पहले मेवानी पुलिस की हिरासत में

गांधीनगर में विरोध करने की तैयारी बनाने वाले कई दलित आंदोलनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था

गांधीनगर।

गुजरात विधानसभा में बजट सत्र का प्रश्नकाल चल रहा है। घोघा हत्या कांड मामले को लेकर विधानसभा गेट के बाहर विरोध प्रदर्शन करने वाले विधायक जिग्नेश मेवानी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जिग्नेश मेवानी ने २३ मार्च को सुबह ११ बजे विधानसभा के बाहर प्रदर्शन करने की धमकी दी थी। जिग्नेश मेवानी को विधानसभा घेरने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। इससे पहले दलित आंदोलनकारियों को गांधीनगर तक पहुंचने से रोकने के लिए पूरे गुजरात में नाकाबंदी लगाई गई थी। इतना ही नहीं चारों तरफ वोटर केनन के साथ पुलिस के काफिला को तैनात कर दिया गया था। गांधीनगर में मौजूद विधायक क्वार्टर के बाहर भी पुलिस को तैनात कर दिया गया था। इतना ही नहीं गांधीनगर में विरोध करने की तैयारी बनाने वाले कई दलित आंदोलनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। वडगाम से निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी को एक दिन के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया है। जिग्नेश मेवानी ने भावनगर जिले के एक गांव में दलित आरटीआई कार्यकर्ता की हत्या के आरोपी पुलिस सब इंस्पेक्टर की गिरफ्तारी की मांग की थी। मेवानी ने गृह राज्य मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा से जवाब मांगा था कि पुलिस सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। अध्यक्ष राजेंद्र त्रिवेदी बार-बार मेवानी को रोकते रहे लेकिन बोलते रहे। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने अनुशासनहीनता को लेकर मेवानी को दिन भर के लिए सदन से निलंबित भी कर दिया था। इस सिलसिले में जिग्नेश मेवानी ने कहा, मैंने गृह मंत्री और मुख्यमंत्री से सदन में पूछा कि घोघा के पीएसआई को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। उनके साथ अच्छे संबंध किसके हैं? मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया गया। लेकिन मुझे सदन से दिन भर के लिए निलंबित कर दिया गया। मेवानी ने गुजरात सरकार पर दलित विरोधी मानसिकता रखने का भी आरोप लगाया।

सूरत भूमि, सूरत। श्री सहस्त्र फला पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, श्री महावीर अन्नक्षेत्र जो पिछले 25 सालों से लगातार 2500 से ज्यादा भूखे लोगों को भोजन दे रहा है। लॉकडाउन के कठिन समय में जिस संस्था द्वारा ग्यारह लाख से भी अधिक व्यक्तियों को भोजन दिया गया था। फिर से एक बार जब कठिन परिस्थिति उत्पन्न हो रही है तब संस्था द्वारा सेवाकिय प्रवृत्ति का काम किया जा रहा है। जिसमें सिविल के कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों और उनके परिवारों को एक महीना चल सके ऐसा अनाज किट वितरण किया जा रहा है।

कांग्रेस ने शहीद किसानों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा

गांधीनगर।

गुजरात विधानसभा में कांग्रेस विधायको ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमा पर गत कई महीने से जारी प्रदर्शन के दौरान शहीद हुए २५० किसानों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। हालांकि, भाजपा विधायकों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया और मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी भगत सिंह और अन्य की शहादत का राजनीतिकरण कर रही है। सदन में कृषि विभाग की वित्तीय मांगों पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष परेश धनानी अचानक 'शहीदी दिवस' के मौके पर स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव पर बोलने लगे। धनानी ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी जानी चाहिए। इसके बाद उन्होंने प्रस्ताव किया कि सदन को केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमा पर प्रदर्शन के दौरान ''शहीद हुए करीब २५० किसानों को भी श्रद्धांजलि देनी चाहिए। धनानी ने कहा, ''तीन स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत की आजादी के लिए अपनी जान दी, और इन २५० किसानों ने कृषि क्षेत्र को बचाने के लिए अपनी जान दी। हम सभी को स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ २५० किसानों को भी दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि देनी चाहिए। कांग्रेस की मांग पर आपत्ति जताते हुए उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि विपक्षी पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर भगत सिंह की शहादत को प्रदर्शनकारी किसानों की मौत से मिला रही है। उन्होंने कहा, ''क्या कांग्रेस ने उन १९ किसानों को श्रद्धांजलि दी थी, जिनकी मौत १९८७ में गुजरात के गांधीनगर में उसके शासन के दौरान पुलिस की गोली लगने से हुई थी। उल्लेखनीय है कि यह गोलीबारी तब हुई थी जब किसान अपने उत्पाद के उचित मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। पटेल ने कहा, ''आप की मांग से उन तीन स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान हुआ है। कांग्रेस पहले यह बताए कि क्यों उसके शासन में १९ किसानों को मारा गया। पटेल के बयान को नजरअंदाज करते हुए कांग्रेस विधायकों ने सदन में खड़े होकर दो मिनट का मौन रखा जबकि भाजपा सदस्य इसमें शामिल नहीं हुए एवं पटेल ने अपना भाषण जारी रखा।

आईपीएस को नाइट कर्फ्यू का सख्ती से पालन करवाने के लिए मैदान में उतारा

अहमदाबाद।

अहमदाबाद में कोरोना वायरस के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। कोरोना पर काबू पाने के लिए कोरोना दिशानिर्देश को सख्ती से पालन करवाया जा रहा है। इतना ही नहीं नाइट कर्फ्यू के टाइम को भी बढ़ा दिया गया है। नाइट कर्फ्यू लागू होने के बावजूद लोग देर रात तक शहर में टहलते नजर आते हैं। इसलिए कल रात एलिसब्रिज में आईपीएस अधिकारियों को नाइट कर्फ्यू का सख्ती से पालन करवाने के लिए मैदान में उतारा गया था। राज्य में कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। अहमदाबाद शहर में कोरोना पर काबू पाने के लिए नाइट कर्फ्यू के समय को बढ़ा दिया गया है। इतना ही नहीं जिला प्रशासन लोगों से नियमों का पालन करने की अपील भी कर रही है। बावजूद इसके शहर के कई इलाकों में अभी भी लोग रात में कर्फ्यू के दौरान टहलते देखे जा रहे हैं। कर्फ्यू को सख्ती से पालन करवाने के लिए जोन -३ के डीसीपी मकरंद चौहान खुद शहर के एलिसब्रिज में रात १० बजे ड्यूटी पर मौजूद रहे। इस दौरान बिना घर के बाहर निकलने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। पुराने अहमदाबाद और नए अहमदाबाद को जोड़ने वाले मुख्य रास्ता यानी एलिसब्रिज पर कल रात भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई। जोन -३ डीसीपी मकरंद चौहान और उनके कर्मचारी वहां से गुजरने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस दौरान गोमतीपुर के कॉर्पोरेटर भी पुलिस के हाथ में आ गए। पुलिस ने जब उनसे सवाल किया तो उनका कहना था मैं एक कॉर्पोरेटर हूं। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने कहा कि नियम सभी के लिए समान है। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार प्रत्येक पुलिस स्टेशन को हर दिन ५० से अधिक मामले दर्ज करने का मौखिक आदेश दिया गया है।

इतना ही नहीं प्रत्येक थाने के पीआई, पीएसआई को निर्देश दिया गया है कि रोड पर निकलकर देखे कि लोग नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। इतना ही नहीं मास्क, सार्वजनिक रूप से थूकने, कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने का आदेश दिया गया है। अगर हम इस सप्ताह के पहले ५ दिनों के बारे में बात करें तो शहर की पुलिस ने ४०० से ४५० लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है।

सूरत शहर में निर्माणाधीन बिल्डिंग की दीवार गिरी

सूरत के मोटा वाराछा इलाके में केदार हाइट्स नाम की निर्माणाधीन बिल्डिंग पर काम चल रहा था : रिपोर्ट

सूरत।

गुजरात के सूरत में बड़े हादसे की खबर है। यहां एक निर्माणाधीन बिल्डिंग का एक हिस्सा गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मलबे में ५ मजदूरों के दबे होने की आशंका थी। मौके पर स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से राहत और बचाव कार्य जारी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सूरत के मोटा वाराछा इलाके में केदार हाइट्स नाम की निर्माणाधीन बिल्डिंग पर काम चल रहा था। मंगलवार को बिल्डिंग की दीवार का एक हिस्सा अचानक गिर गया। इसकी चपेट में कई मजदूर आ गए।

चार मजदूरों को मलबे से निकालकर तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। वहीं कई मजदूरों के अभी फंसे होने की आशंका है। स्थानीय लोग और प्रशासन मिलकर मजदूरों का रेस्क्यू करने में जुटा है। बताया जा रहा है कि मलबे में पांच मजदूर अभी दबे हुए हैं, जिन्हें बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। कई अन्य घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

कांग्रेस ने पशु पालकों को किसानों का दर्जा देने की मांग की

गांधीनगर।

किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने मंगलवार को गुजरात विधानसभा में राज्य सरकार को घेरने का प्रयास किया। किसानों को कृषि लोन, नीलगायों को सासन गिर जंगल में छोड़ने के विरोध में तथा पशु पालकों को किसानों का दर्जा देने की मांग को लेकर कांग्रेस के तीन विधायकों ने मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सरकार पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक वीर जी ठुम्मर ने कहा की केंद्र सरकार ने नाबार्ड को किसानों को ऋण उपलब्ध कराने के लिए १३००० करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई लेकिन इसके बावजूद किसानों को निजी बैंकों से लो फीस दी की ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ रहा है। गुजरात की सरकार ने किसानों को जीरो फीस भी ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने की घोषणा की तथा इसकी योजना भी तैयार की लेकिन यह पूरी तरह विफल साबित हुई। कांग्रेस के एक अन्य विधायक हर्षद रिबाडिया ने कहा कि गुजरात सरकार नील गायों को गांधीनगर से हटाकर सासन गिर जंगल में छोड़ने का प्रयास करती है तो किसान तथा कांग्रेस इसका विरोध करेंगे। विधायक का कहना है कि सौराष्ट्र का सासन गिर जंगल किसानों के लिए एक तरह से वरदान है तथा नील गायों को यहां छोड़ने से नीलगाय उनकी फसलें को बर्बाद कर देंगी। सरकार अगर नीलगाय को सासन गिर जंगल में छोड़ने की अपनी योजना को वापस नहीं लेती है तो सौराष्ट्र का किसान सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरेगा। गौरतलब है कि राजधानी गांधीनगर में नील गायों के चलते कई बार सड़कों पर दुर्घटनाएं होती हैं। सरकार इन दुर्घटनाओं को टालने के लिए नील गायों को गांधीनगर से हटाकर प्रदेश के सबसे बड़े सासन गिर जंगल में छोड़ देना चाहती है जिसका कांग्रेस विरोध कर रही है कांग्रेस इसे किसान विरोधी कदम बता रही है। उधर कांग्रेस के एक और विधायक लाखा भाई भरवाड ने कहा है कि प्रदेश के मालधारी अर्थात पशुपालकों को सरकार किसानों का दर्जा दे ताकि वे खेती योग्य जमीन की खरीद कर सके। भरवाड का कहना है कि माल धारियों को पशुपालक के रूप में पहचान मिली हुई है लेकिन सरकार उन्हें किसान नहीं मानती है अगर इस पशुपालक वर्ग को किसान का दर्जा मिल जाता है तो उन्हें खेती की जमीन खरीदने में आसानी होगी साथ ही पशुपालन को भी वह और बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

कारखाना में खेलने गई ४ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म

सूरत।

गुजरात में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। उसमें भी विशेष रूप से बलात्कार के मामलों में खतरनाक वृद्धि दर्ज की जा रही है। पाटन जिले के सातलपुर में चाकू की नोक तीन लोगों ने नाबालिग के साथ सामूहिक बलात्कार किया था। इस मामले में शामिल आरोपी फरार चल रहे हैं। इस बीच सूरत के वराछा इलाके में एक ४ साल की मासूम बच्ची के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है। मिल रही जानकारी के अनुसार सूरत के वराछा इलाके के जगदीश नगर में अशोक मोडपरा कढ़ाई का कारखाना है। इस कारखाने के पास श्रमिक परिवार रहता है। परिवार के बच्चे अक्सर कढ़ाई की फैक्ट्री में खेलने के लिए जाते रहते हैं।

४ साल की बच्ची के अकेलेपन का फायदा उठाकर आरोपी अशोक ने उसे मोबाइल में अश्लील तस्वीरें दिखाकर बलात्कार किया। जब मासूम बच्ची की मां को इस बारे में पता चला तो उनसे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सूरत भूमि, सूरत। ट्राफिक पुलिस चौक बाजार चार रस्ता ऊपर बहुत ही अच्छी तरीके से काम कर रही है इसको देखते हुए एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चौक बाजार ट्राफिक पुलिस का सम्मान किया गया और ऐस आई अलाउद्दीन भाई इनकी बहुत ही अच्छी मेहनत रहती है ट्रैफिक की समस्या वहां पर नहीं होती है इसके बदले अलाउद्दीन भाई को एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से खूब-खूब अभिनंदन दिया गया।

सूरत में लॉकडाउन के डर से प्रवासी मजदूरों का पलायन

कोरोना वायरस के बढ़ते आतंक के बीच गुजरात में फिर से लॉकडाउन की अफवाह उठ रही थी

सूरत।

सूरतः गुजरात में एक बार फिर कोरोना का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ने लगा है। गुजरात की आर्थिक राजधानी सूरत में कोरोना की स्थिति हर दिन पहले से ज्यादा खराब होती जा रही है। कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच गुजरात में फिर से लॉकडाउन की अफवाह उठ रही थी।

लेकिन बीते दिनों मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने साफ कर दिया कि अब गुजरात में लॉकडाउन लागू नहीं होगा। बावजूद इसके सूरत में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों का भारी पैमाने पर पलायन जारी है। उत्तर प्रदेश-बिहार के अलाव अन्य राज्यों से सूरत में काम करने के लिए आने वाले श्रमिक सरकार आश्वासन के बावजूद पलायन कर रहे हैं। हर दिन सूरत से बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर अपने गृहनगर लौट रहे हैं। सूरत में प्रवासी मजदूरों के इलाकों में जगह-जगह टिकट बुकिंग का कार्यालय खुल गया है।

फेरीवाले, झोपड़ियों में रहने वाले लोग रातों रात टिकट बुकिंग एजेंट बन गए हैं। इन लोगों को अगर बस में जगह नहीं मिल रही है तो बस की छत पर बैठकर यात्रा कर रहे हैं। सूरत में कोरोना के दैनिक मामलों में दर्ज की जा रही वृद्धि के बाद ऐसी अफवाह उड़ रही थी कि सूरत में एक बार फिर से लॉकडाउन लग सकता है। इस अफवाह की वजह से प्रवासी मजदूरों में खौफ का माहौल पैदा हो गया है। जिसके बाद मजदूर सूरत से पलायन कर रहे हैं।

मिल रही जानकारी के अनुसार सूरत से उत्तर प्रदेश और बिहार जाने के लिए प्रतिदिन औसतन १५ से अधिक बसें चलती हैं। सोमवार को १,५०० से अधिक मजदूरों को लेकर १४ बसें सूरत से उत्तर प्रदेश-बिहार के लिए रवाना हुई है। निजी बस संचालक श्रमिकों से ८०० रुपये के बदले १,५०० रुपया किराया वसूल रहे हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)